P372

आरएनआई – एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 11 मई 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 166
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

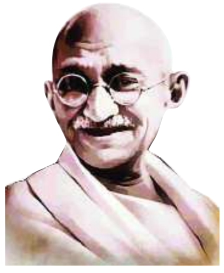

राष्ट्रपिता को नमन...

सीएम डॉ. यादव ने दो मादा चीतों को किया मुक्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

श्योपुर • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज सुबह कूनो नेशनल पार्क के क्वारंटीन बाड़े से दो मादा चीतों को कूनो नदी के समीप स्थित साइट से खुले जंगल में मुक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दो चीतों को खुले जंगल में छोड़े जाने का यह कार्यक्रम 'प्रोजेक्ट चीता' को नई गति प्रदान करेगा तथा भारत के वन्यजीव संरक्षण इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ेगा। बोत्सवाना से लाए गए नौ चीतों ने अपनी क्वारंटीन अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली है। इसके बाद उन्हें छोटे बाड़ों में रखा गया था, ताकि वे स्वयं को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप ढाल सकें। प्रोजेक्ट चीता का उद्देश्य प्रदेश से लुप्त हुये चीतों की प्रजाति को पुनर्स्थापित करना, उनकी संख्या में वृद्धि करना और उन्हें स्वतंत्र रूप से शिकार और विचरण के लिए तैयार करना है। गौरतलब है कि फरवरी 2026 के अंत में बोत्सवाना से नौ नए चीते कूनो नेशनल पार्क लाए गए थे। इनमें 6 मादा और 3 नर शामिल हैं। इन चीतों के आगमन के साथ भारत में चीतों की कुल संख्या, देश में जन्मे शावकों सहित, बढ़कर 57 हो गई है।

फिर बढ़ी गर्मी, पार पहुंचा 42 डिग्री, लू का अलर्ट हुआ जारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में मई की शुरुआत में मिली हल्की राहत अब पूरी तरह खत्म हो चुकी है। दूसरे हफ्ते की शुरुआत के साथ ही शहर में सूरज के तेवर तीखे हो गए हैं और तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को शहर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। रविवार सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं का असर दिखाई देने लगा। सुबह 11 बजे के बाद सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया और दोपहर में शहर तपता नजर आया।

लगातार बढ़ रहा तापमान– मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले चार दिनों से इंदौर में तापमान लगातार बढ़ रहा है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था, जो शनिवार को बढ़कर 42 डिग्री तक पहुंच गया। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच गर्मी का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों और ट्रैफिक सिग्नल पर खड़े दोपहिया वाहन चालकों को तेज धूप और गर्म हवाओं ने बेहाल कर दिया।

चौराहों पर लगाई गई हरी नेट– तेज गर्मी से राहत देने के लिए प्रशासन ने शहर के कुछ प्रमुख चौराहों पर हरी नेट लगाई है। इसका उद्देश्य ट्रैफिक सिग्नल पर रुकने वाले वाहन चालकों को सीधी धूप से बचाना है। हालांकि बढ़ती गर्मी के कारण दोपहर के समय शहर की सड़कों पर सामान्य दिनों की तुलना में आवाजाही कम दिखाई दे रही है।

36 घंटे बिना मोबाइल के रहेंगे कार्यकर्ता, परीक्षा पास करना भी जरूरी

■ प्रदेश के 62 संगठनात्मक जिलों में होगा भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग

■ जिले में रहने वाले बूथ से राष्ट्रीय स्तर तक के नेताओं का शामिल होना अनिवार्य

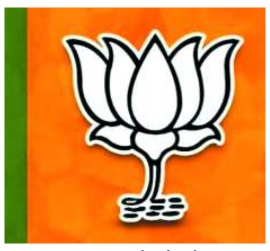

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने अपने संगठन को और अधिक अनुशासित और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्गों में सख्त नियम लागू कर दिए हैं। इस महीने आयोजित हो रहे इन प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए मोबाइल फोन का उपयोग प्रतिबंधित कर दिया गया है।

भाजपा कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग के दौरान 36 घंटे मोबाइल से दूर रहेंगे। प्रशिक्षण वर्ग के बाहर मोबाइल पार्किंग बनाई जा रही है, जहां सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के मोबाइल जमा होंगे। भाजपा ने मंडल स्तर के प्रशिक्षण वर्ग के बाद जिला स्तर के प्रशिक्षण शुरू कर दिए हैं। खास बात यह है कि इन प्रशिक्षण वर्ग में सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को रात रुकना

अनिवार्य किया गया है। जिले में रहने वाले राष्ट्रीय स्तर से लेकर बूथ स्तर तक के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होना होगा। भाजपा इन प्रशिक्षण वर्ग के लिए 100 पेज की गाइडलाइन तैयार की है। गाइडलाइन को प्रदेश के सभी संगठनात्मक जिलों में भेज दिया है। गाइडलाइन के अनुरूप जिलों में प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियां शुरू हो गई हैं। भाजपा इन प्रशिक्षण वर्ग के जरिए युवा नेताओं को तैयार कर रही है। युवा नेता और कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण के जरिए अनुशासन सिखाया जा रहा है। भाजपा के ये जिला प्रशिक्षण वर्ग संघ की तर्ज पर आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण वर्ग में बिना पंजीयन के किसी भी नेता और कार्यकर्ता को शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशिक्षण के पंजीयन भी ऑनलाइन होंगे।

प्रशिक्षण के बाद होगा टेस्ट भाजपा कार्यकर्ताओं को 36 घंटे के आवासीय प्रशिक्षाग सत्रों के बाद एक अनिवार्य टेस्ट देना होगा, जो नीट यूपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तर्ज पर होगा। इस टेस्ट में कार्यकर्ताओं को 80 फीसदी अंक लाना भी जरूरी है। इस टेस्ट में पाटी की विवारधार से संबंधित और प्रशिक्षण वर्ग में जो सीखा है, उससे जुड़े प्रश्न पूछे जाएगे। इस पहल का उद्देश्य कार्यकताओं में अनुशासन बढ़ाना और प्रशिक्षण सत्रों के दौरान पूर्ण एकाग्रता सुनिश्चित करना है।

न्यूज ब्रीफ

- सोमनाथ पहुंचे पीएम मोदी, हेलिपैड से मंदिर तक होगा रोड शो
- प.बंगाल : कैटल स्मगलिंग रोकने के लिए राज्यभर में सख्त कार्रवाई के आदेश
- हिमाचल : चंबा में गुजरात के पर्यटकों से भरी गाड़ी खाई में गिरी, 6 की मौत
- काठमांडू एयरपोर्ट पर लैंडिंग के वक्त एयरलाइंस विमान में लगी आग, सुरक्षित निकाले गए सभी यात्री
- यूएस सैन्य मदद पर निर्भरता खत्म करेगा इजरायल! अगले 10 साल में आत्मनिर्भर बनने का प्लान
- रुपया कमजोर होने पर नीति के बजाय भारतीयों को 'सुझाव' मिलते हैं : चतुर्वेदी
- डोनाल्ड ट्रंप 13-15 मई को चीन दौरे पर जाएंगे
- यूएस-ईरान वार्ता फेल, तेल बाजार में जोरदार उछाल
- ट्रंप का जस्टिस गोरसच पर निशाना, टैरिफ फैसले को बताया नुकसानदायक
- 12 साल में दुनिया में फिर मजबूत हुई भारत की पहचान- तेजस्वी सूर्या

अब बच्चों को नकद की बजाय सिलवाकर दी जाएगी यूनिफार्म

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • प्रदेश के 55 लाख बच्चों को इस यूनिफार्म सिलवाकर दी जाएगी। स्कूल शिक्षामंत्री के निर्देश पर यूनिफार्म बनाने के लिए टेंडर तैयार कर लिया गया है। शीघ्र ही इसे कैबिनेट में स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। यह यूनिफार्म की खरीदी सत्र 2026-27 के लिए की जाएगी। अभी तक सरकार बच्चों को यूनिफार्म सिलवाने के लिए 600 रुपए की नगद राशि दे रही थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी स्टूडेंट्स को यूनिफार्म की राशि देने की घोषणा की थी। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पहली से 8वीं तक के स्टूडेंट्स को नि:शुल्क दो जोड़ी यूनिफार्म दी जाती है। पिछले वर्षों में यूनिफार्म की राशि विद्यार्थियों के खातों में डाली जाती थी, जिससे विद्यार्थियों के अभिभावक राशि लेकर अपनी मर्जी से कहीं से भी यूनिफार्म सिलवा सकते थे। इसके बाद गांवों की हजारों महिलाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश के बाद इसका काम पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्व-सहायता समूहों को दिया गया। लेकिन, जब स्व-सहायता समूहों के माध्यम से सिलकर स्कूलों में यूनिफार्म पहुंची, तो उसकी गुणवत्ता बहुत खराब थी। सिलाई भी बच्चों के नाप के हिसाब की नहीं थी। उसके बाद कोरोना वायरस संक्रमण के चलते स्कूल बंद हो गए।

कोरोना की पाबंदी हटने के बाद आजीविका मिशन के माध्यम से स्कूलों में दो साल पहले यूनिफार्म नहीं पहुंच सकी। दो साल पहले की यूनिफार्म को कई स्कूलों में पिछले साल वितरित किया गया, लेकिन वह भी सभी स्कूलों में नहीं पहुंचाई जा सकी। इससे राज्य शिक्षा केंद्र ने कुछ जिलों में ड्रेस की राशि विद्यार्थियों के खातों में डालने और कुछ को ड्रेस वितरित करने के दिशा-निर्देश जारी किए।

सोलर पैनल पर शुल्क खत्म, फिर भी वसूली जारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने 17 अप्रैल को एक अहम आदेश जारी किया था। इसमें छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क खत्म कर दिया गया था। साथ ही प्रोसेसिंग शुल्क, मीटर जांच शुल्क और इंस्टालेशन-कमीशनिंग शुल्क को पूरी तरह खत्म कर दिया था। भौतिक अनुबंधों की जगह डिजिटल एग्रीमेंट लागू करने का निर्देश भी दिया गया था।

हैरानी की बात है कि 21 दिन बीत जाने के बाद भी अवैध वसूली जारी है। राज्य की तीनों विद्युत वितरण कंपनियों ने न तो अपना अलग आदेश जारी किया और न ही वसूली रोकी।

सोलर पैनल लगवाने की इच्छा रखने वाले उपभोक्ताओं को अभी भी सात से 13 हजार रुपए का बोझ उठाना पड़ रहा है। यह वही शुल्क हैं जिन्हें आयोग पहले ही खत्म कर चुका है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना फरवरी

2024 में शुरू की गई थी। इसका लक्ष्य देश के एक करोड़ घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर उन्हें मुफ्त बिजली देना है। मध्यप्रदेश में इस योजना के तहत मार्च 2027 तक पांच लाख उपभोक्ताओं को फायदा मिलना है। उपभोक्ताओं और वेंडर्स की इस परेशानी को मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम ने देखा था। इसी के साथ निगम ने आयोग में याचिका भी दाखिल की थी। मांग थी कि शुल्कों को हटाया जाए और कागजी प्रक्रिया को डिजिटल किया जाए। आयोग ने इस याचिका को स्वीकार करते हुए आदेश जारी कर दिया था। मकसद साफ था कि सोलर संयंत्र की स्थापना सस्ती हो और काम तेज गति से हो सके। केंद्र सरकार इस योजना के तहत उपभोक्ताओं को अच्छी-खासी सब्सिडी दे रही है। एक किलोवाट का सोलर संयंत्र लगाने पर 30 हजार रुपए रुपए की सब्सिडी मिलती है। वहीं दो किलोवाट पर 60 हजार रुपए और तीन किलोवाट या उससे अधिक पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी मिलती है। इसके अलावा कम ब्याज पर कर्ज की सुविधा भी उपलब्ध है।

मोहन सरकार में 'साइलेंट' हुए शिवराज के सूरमा, नहीं मिली निगम-मंडलों में कुर्सी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश की राजनीति में इन दिनों निगम-मंडलों और प्राधिकरणों में नियुक्तियों का दौर तेज है। नेताओं को जिम्मेदारियां दी जा रही हैं। कई चेहरों पर खुशी है तो कई खेमों में मायूसी पसरी हुई है।

इस पूरी कवायद के बीच एक बड़ा सवाल राजनीतिक गलियारों में लगातार गूंज रहा है कि आखिर शिवराज सरकार के वे दिग्गज मंत्री कहां हैं, जिनकी कभी सत्ता और संगठन में तूती बोलती थी? दरअसल, 2023 विधानसभा चुनाव में शिवराज सरकार के 12 मंत्री चुनाव हार गए थे। इनमें बीजेपी के कोर कैडर के बड़े चेहरे भी शामिल थे। ज्योतिरादित्य सिंधिया खेमे के नेता भी थे। चुनाव हारने के बाद माना जा रहा था कि पार्टी इन नेताओं को निगम-मंडल, प्राधिकरण या संगठन में बड़ी जिम्मेदारी देकर एडजस्ट करेगी, पर अब तक ऐसा होता दिखाई नहीं दिया है। मोहन सरकार में हो रही नियुक्तियों में इन पूर्व मंत्रियों को जगह नहीं मिली है। संगठन में भी इनके पास कोई अहम जिम्मेदारी नहीं है। बीजेपी के कई पुराने और प्रभावशाली चेहरे आज राजनीतिक तौर पर एक तरह से हाशिए पर नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार के करीब ढाई साल के कार्यकाल के दौरान प्रदेश में निगम-मंडल-प्राधिकरणों में लगातार नियुक्तियां की जा रही हैं। अब तक 10 प्राधिकरण, 8 निगम-मंडल और 5 आयोगों में 60 से ज्यादा नेताओं को पद दिए जा चुके हैं।

उलझन में आलाकमना | **चुनाव नतीजे आने के 6 दिन बाद भी नहीं बन पाई सहमति**

केरलम में मुख्यमंत्री कौन, कांग्रेस मौन

नई दिल्ली (एजेंसी) • केरलम में चुनाव के नतीजों को आए 6 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक मुख्यमंत्री के नाम पर सहमति नहीं बन पाई है। सूत्रों की मानें तो केरलम में मुख्यमंत्री पद के लिए राहुल गांधी की पहली पसंद केसी वेणुगोपाल हैं, जो अलाप्पुझा लोकसभा सीट से पार्टी के सांसद हैं।

सूत्रों ने बताया कि अगले दो दिन पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को इस शीर्ष पद के लिए वेणुगोपाल का समर्थन करने के लिए मनाने में बिताए जाएंगे। दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर कांग्रेस नेताओं की आधिकारिक बैठक से पहले, राहुल गांधी ने वेणुगोपाल से अलग से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि वेणुगोपाल, जो कांग्रेस के महासचिव भी हैं, का मजाक उड़ाने वाले पोस्टर कथित तौर पर पार्टी के एक अन्य प्रभावशाली नेता वीडी सतीशन के समर्थन से लगाए गए थे। सूत्रों ने बताया कि जब सतीशन बैठक में पहुंचे तो राहुल गांधी ने उनसे उनके खिलाफ लगे आरोपों के बारे में पूछा, तो सतीशन ने स्वीकार किया कि वह वेणुगोपाल के मुख्यमंत्री बनने के खिलाफ हैं। सतीशन और रमेश चेन्निथला, जो मुख्यमंत्री पद के एक अन्य दावेदार हैं, का इस दक्षिणी राज्य में काफी दबदबा है। मुख्यमंत्री पद के लिए सतीशन को कांग्रेस की सहयोगी पार्टी आईयूएमएल का समर्थन हासिल है। इन सभी कारणों के चलते पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच पोस्टर वॉर छिड़ गया, और वे अपने-अपने नेताओं के समर्थन में सड़कों पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन करने लगे।

■ **सीएम पद की रेस में वेणुगोपाल सबसे आगे** : सतीशन ने कांग्रेस नेतृत्व से कहा कि अगर पार्टी ने नेनमारा, कजाकूटम, वडाकनचेरी, नेडुमंगड और चेरथला में वेणुगोपाल द्वारा सुझाए गए उम्मीदवारों को नहीं उतारा होता, तो पार्टी और भी ज्यादा सीटें जीत सकती थी। इस दौड़ में वेणुगोपाल को पहले से ही दूसरों से आगे माना जा रहा था। कांग्रेस को अब यह फैसला करना है कि वह वेणुगोपाल जैसे किसी केंद्रीय नेता को चुने, या फिर किसी ऐसे स्थानीय नेता को, जिसे जमीनी स्तर पर लोगों का समर्थन हासिल हो।

■ सतीशन का तर्क था कि वेणुगोपाल ने कांग्रेस महासचिव होने के नाते, विधायकों पर गुट और समूह बनाने के लिए दबाव डाला। अपनी ओर से, सतीशन ने यह बात और रखी कि उन्होंने कभी भी अपने निजी फायदे के लिए गुट बनाने का काम नहीं किया जब वह केरल में विपक्ष के नेता थे, तब उन्होंने सभी को साथ लेकर काम किया।

ओल्ड डेलियंस एसोसिएशन ने डेली कॉलेज बोर्ड के संविधान संशोधन के खिलाफ पास किया प्रस्ताव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डेली कॉलेज द्वारा पास किए गए नए संविधान के खिलाफ आखिरकार ओडीए ने प्रस्ताव पास कर दिया। इसे लेकर पूर्व छात्र काफी नाराज थे और उनकी मांग पर ही ईओजीएम को बुलाया गया। डेली कॉलेज के छह हजार से अधिक पूर्व छात्रों की संस्था ओडीए की रविवार 10 मई को मेहता भवन में ईओजीएम हुई।

ओडीए की हुई बैठक में पूर्व छात्रों ने कहा कि नया संविधान हमारे हितों के खिलाफ है। पूर्व सदस्य छह हजार से अधिक है लेकिन नए संशोधन से ओडीए में लोकतंत्र खत्म हो रहा है। पहले दो सदस्य हम टी सी कैटेगरी में चुनकर भेजते थे लेकिन अब नए संविधान से अब सीधे प्रेसीडेंट, सचिव को चयनित किया जाएगा। इसमें निर्वाचन प्रक्रिया बंद होना गलत है।

ओडीए के पूर्व छात्र राजेश अग्रवाल, जयेश पटेल, देवश्री मजूमदार ने कहा कि हमने एकमत से बात रखी और नए संविधान से असहमति जताई। प्रस्ताव पास हो गया है और कमेटी को अधिकार दिए गए हैं कि वह इस संबंध में कदम उठाएं।

वहीं ओडीए प्रेसीडेंट पंकज बागडिया ने कहा कि प्रस्ताव पास हुआ है और हमारे द्वारा इस संबंध में डेली कॉलेज बोर्ड को सूचित किया जाएगा। इसमें बताया जाएगा कि हम नए संविधान संशोधन से सहमत नहीं है और बोर्ड को हमारी आपत्ति बताई जाएगी। आगे भी इसमें क्या आगे विधिक प्रक्रिया की जा सकती है इस पर आगे कार्रवाई करेंगे। डेली कॉलेज बोर्ड ने संशोधन पास किया। इसके तहत अब ओडीए कैटेगरी टू सी से तीन सदस्य बोर्ड में जाएंगे, इसमें प्रेसीडेंट और सचिव प्राथमकिता से होंगे और एक सदस्य प्रतिष्ठित छात्र होंगे। लेकिन इसके पहले दो सदस्य ओडीए कैटेगरी से सीधे चुने जाते थे और इसमें छह हजार सदस्य चुनाव करते थे।

अब निर्वाचन प्रक्रिया खत्म कर चयन प्रावधान कर दिए गए हैं। इसी का विरोध हो रहा है। वहीं नए संविधान के मुताबिक चुनाव प्रक्रिया चल रही है इसके लिए 21 मई को वोटिंग होगी और रिजल्ट आएगा। चुनाव केवल टू बी वन व टूबी टू यानी फाउंडर मेंबर और न्यू डोनर कैटेगरी में चुनाव हो रहे हैं। टू बी वन कैटेगरी से दो सदस्य और टू बी टू से एक सदस्य चुना जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

ऑपरेशन 'टोटल क्लीन' के तहत आबकारी विभाग का विशेष अभियान जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा 'ऑपरेशन टोटल क्लीन' अभियान के अंतर्गत आज भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्यवाही की गई। अभियान हेतु गठित 4 अलग-अलग टीमों द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में मदिरा दुकानों एवं उनके आसपास सघन निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान मदिरा दुकानों के आसपास साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था एवं सार्वजनिक व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। जिन स्थानों पर अस्वच्छता पाई गई, वहां संबंधित अनुज्ञाधारियों को तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए गए।

डीएस ग्रुप ने कैच स्प्रिंकलर पोर्टफोलियो में जोड़े नए फ्लेवर्स पेश किए फ्लेवर्स

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रमुख एफएमसीजी समूह और मल्टी-बिज़नेस कॉरपोरेशन, धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) के लोकप्रिय ब्राण्ड कैच साल्ट एंड स्पाइसेज़ ने नए दौर की सीज़निंग एवं रीजनल फ्लेवर्स के लॉन्च के साथ अपने स्प्रिंकलर पोर्टफोलियो मे वृद्धि की घोषणा की है। लम्बे समय से साल्ट एवं पैपर के लिए कैच स्प्रिंकलर रेंज देश में घर-घर का जाना-माना नाम बना हुआ है, इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए ब्राण्ड कई नए वेरिएन्ट्स लेकर आया है जैसे पिज़्ज़ा पास्ता सीज़निंग, चिली फ्लेक्स, ओरीगेनो, मैजिक मसाला और मिक्स्ड हर्ब्स तथा अन्य रीजनल फ्लेवर्स जैसे जीरावन (पोहा मसाला) और पोड़ी मसाला। इस लॉन्च के साथ कंपनी ने स्प्रिंकलर फ़ॉर्मेट को एक व्यापक सीज़निंग प्लेटफ़ॉर्म के रूप में आगे बढ़ाया है।

चौराहों पर लेफ्ट टर्न में आ रही बाधाओं को हटाएं, सुचारु व्यवस्था के निर्देश

निगमायुक्त ने किया प्रमुख चौराहों एवं लेफ्ट टर्न का निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में लगातार बढ़ते यातायात दबाव, प्रमुख चौराहों पर जाम की स्थिति के निराकरण एवं सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा रविवार को प्रमुख चौराहों एवं लेफ्ट टर्न का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उनके साथ अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, कार्यपालन यंत्री पीएस कुशवाह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

निगमायुक्त सिंघल द्वारा रसोमा चौराहा, चंद्रगुप्त चौराहा, हाईकोर्ट चौराहा, लैंटर्न चौराहा, मृगनयनी चौराहा, कृषि कॉलेज, महिंद्रा शोरूम चौराहा आदि का निरीक्षण किया गया। इस दौरान यातायात की वर्तमान स्थिति, आवागमन दबाव, लेफ्ट टर्न की उपयोगिता, लेफ्ट टर्न में बाधा एवं यातायात संचालन में आ रही परेशानियों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। निगमायुक्त न कहा कि जिन स्थानों पर लेफ्ट टर्न बाधित हो रहे हैं अथवा अवैध निर्माण, अतिक्रमण, अस्थायी अवरोध, विद्युत पोल अथवा अन्य कारणों से यातायात प्रभावित हो रहा है वहां तत्काल कार्रवाई कर बाधाओं को हटाया जाए।

चौराहों पर लेफ्ट टर्न सुचारु रूप से संचालित होने से यातायात का दबाव कम होगा तथा नागरिकों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ट्रैफिक मैनेजमेंट को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु चौराहों के संबंध में पिछले दिनों जो योजना बनाई है उस पर शीघ्र कार्रवाई शुरू करें। चौराहों पर रोड मार्किंग, संकेतक बोर्ड, डिवाइडर व्यवस्था एवं ट्रैफिक मूवमेंट के अनुसार आवश्यक सुधार कार्य प्राथमिकता से किए जाएं।

छत्रपति शिवाजी महाराज की अनसुनी कहानियाँ शिवशाही महानाट्य इंदौर में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इस मई में इंदौर एक अद्वितीय सांस्कृतिक और ऐतिहासिक उत्सव का साक्षी बनने जा रहा है। शिवशाही महानाट्य – एक भव्य ऐतिहासिक मेगा नाटक – छत्रपति शिवाजी महाराज के अदम्य साहस, दूरदर्शिता और बलिदान की अनसुनी कहानियों को जीवंत करेगा। यह आयोजन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि स्वराज्य, शौर्य और हिंदू गौरव को समर्पित एक सांस्कृतिक आंदोलन है। यह महानाट्य इंदौर में संस्था शिवराय के बैनर तले 27 से 31 मई 2026 तक इंदौर के दशहरा मैदान में रोजाना शाम 7 बजे होगा। संस्था शिवराय के संस्थापक सदस्य और आयोजन समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र अड़सुले ने कहा कि 'शिवशाही महानाट्य केवल एक नाट्य प्रस्तुति नहीं है, यह हमारी सांस्कृतिक चेतना का पुनर्जागरण है। हिंदवी स्वराज्य संस्थापक श्री छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों को जन- जन तक विशेषकर युवा पीढ़ी तक प्रसारित करने के उद्देश्य से महानाट्य शिवशाही का आयोजन किया जा रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज की गाथाएँ हमें यह याद दिलाती हैं कि स्वराज्य और आत्मसम्मान ही हमारी सबसे बड़ी धरोहर हैं।

लोक अदालत में बिजली संबंधी 3638 प्रकरणों का निराकरण, 1.10 करोड़ की छूट प्रदान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पश्चिम क्षेत्र विद्युत कंपनी कंपनी को वित्तीय वर्ष की पहली लोक अदालत में हजारों प्रकरणों के निराकरण में सफलता मिली है। लोक अदालत में बिजली वितरण कंपनी कार्य क्षेत्र के 3638 प्रकरण निराकृत हुए हैं, उपभोक्ताओं, बिजली उपयोगकर्ताओं को 1.10 करोड़ रू की छूट नियमानुसार , पात्रता अनुसार प्रदान की गई है । विद्युत वितरण कंपनी को 4.16 करोड़ रू का राजस्व प्राप्त हुआ है। लोक अदालत को प्रभावी बनाने के लिए कंपनी क्षेत्र के 15 जिलों में हजारों नोटिस जारी कर समझौते के लिए उपभोक्ता, उपयोगकर्ता को तैयार कर ऊर्जा विभाग के आदेशानुसार छूट प्रदान करने की प्रभावी तैयारी की गई थी। प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में मुख्य सतर्कता अधिकारी एसआर बमनके ने सतर्कता, मैदानी कार्मिकों के माध्यम से लोक अदालत के लिए सघनतम प्रयास किए थे।

आकाश विजयवर्गीय ने विधानसभा 1 के वार्ड 3 में 11 स्थानों पर किया जनसंवाद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 10 मई को नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मार्गदर्शन में पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने विधानसभा 1 के वार्ड 3 में करीब 1 करोड़ 50 लाख की लागत के भूमिपूजन एवं लोकार्पण के साथ 11 स्थानों पर जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प के साथ क्षेत्र में सभी रहवासियों की बुनियादी समस्याएं पर प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है ।

प्रदेश के कद्दावर कर्मचारी नेता जीतेन्द्र सिंह का इंदौर आगमन पर भव्य स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश के प्रदेश महामंत्री, मध्यप्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष जीतेन्द्र सिंह के पारिवारिक कारणों से इंदौर आगमन पर राज्य कर्मचारी संघ इंदौर के पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत किया। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन (एनएमओपीएस) इंदौर के जिलाध्यक्ष एवं राज्य कर्मचारी संघ के सदस्य दिनेश परमार ने बताया कि प्रदेश के लोकप्रिय कर्मचारी नेता प्रदेश महामंत्री जीतेन्द्र सिंह का आकस्मिक इंदौर आगमन पर स्थानीय मालव कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में राज्य कर्मचारी संघ के जिला, संभाग, प्रदेश पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत कर उनसे अनेक कर्मचारी हित में चर्चा कर अपनी समस्याएं बताई।

साहित्य ग्राम का मई अंक अमिताभ अग्निहोत्री ने किया लोकार्पित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस एवं नारद जयंती के अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं राष्ट्रवाणी चैनल के प्रमुख अमिताभ अग्निहोत्री ने साहित्य ग्राम अख़बार के मई 2026 के अंक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी के पूर्व निदेशक जयंत भिसे, जीएसआईटीएस के निदेशक, इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम, स्वदेश के निदेशक विवेक गोरे, स्थानीय सम्पादक शक्ति सिंह एवं साहित्य ग्राम के सम्पादक डॉ. अर्पण जैन 'अविचल' मौजूद रहे।

नलों से आ रहा है दूषित पानी आम जनता पीने को मजबूर

गौतमपुरा की जनता को भागीरथपुरा कांड की याद दिला रहा

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

गौतमपुरा नगर में दूषित पानी का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल जानकारी में पता चला गौतमपुरा नगर वार्ड 2,3,5 के घरों में उस समय हड़कम मच गया तब घरों में गंदा बदबूदार पानी नलों से आ रहा था। रहवासियों ने इसकी जानकारी नगर परिषद के अधिकारियों को दी, लेकिन अब तक सुधार नहीं किया गया गर्मी के दोनों पेयजल व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाता है ताकि नगर में पानी को लेकर अव्यवस्था ना फैले लेकिन दूषित पानी ने नगर परिषद पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए क्या आम जनता गंदा और बदबूदार पानी पीने को मजबूर है।

नाम नहीं छापने की शर्त पर गौतमपुरा के जनप्रतिनिधि ने बताया कि नगर में कही बार नलों

से गंदा और दूषित जल आ रहा पानी की जांच के सैंपल भेजे गए उस पर भी लीपापोती की जा रही इतना ही नहीं गौतमपुरा नगर में व्यवस्थाओं का अंबार लगा है जगह-जगह वार्डों में कचरे का ढेर लगा है कचरे को कहीं जगह जला दिया जाता है ट्रेकिंग ग्राउंड पर रखे कचरे को भी कही बार जलाया गया लेकिन जिम्मेदार अब भी अनजान है। इंदौर जिले को स्वच्छता का कही बार अवार्ड मिला है जिसकी गूंज इंदौर से लेकर दिल्ली तक दिखाई दी लेकिन जिले की एक नगर परिषद ऐसी है जहां स्वच्छता का केवल ढिंढोरा पीटा गया शुद्ध पेयजल का दिखावा किया गया लेकिन जमीनी हकीकत और कुछ बयां कर रही है। गौतमपुरा की जनता को भागीरथपुरा कांड की याद सता रही है दबी जुबा से आम जनता कह रही दूषित पानी से गौतमपुरा नगर के हालात भागीरथपुरा कांड जैसे ना हो जाए नगर परिषद सीएमओ मयूरी वर्मा की गंभीर लापरवाही सामने आ रही है एक तरफ कचरे को लेकर नगर की जनता परेशान है वहीं दूषित पानी का डर आम जनता को सता रहा है अब देखना होगा जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और अधिकारी इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं।

दशहरा मैदान के खेल बगाउंड पर मिट्टी के ढेर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दशहरा मैदान के क्रिकेट ग्राउंड में यहां आस-पास कहीं पर भी खुदाई होती है। मिट्टी के ढेर यहां नगर निगम वाले लगा जाते हैं। यह सड़क चनाने वाली प्राइवेट कंपनी के वाहन यहां मिट्टी के ढेर लगा रहे हैं। यहां अधिकतर लग जाते हैं। मिट्टी के देर रात्रि में खिलाड़ियों का खेल प्रभावित लगता है और कोई सुनवाई नहीं हो रही है। बताया जा रहा है कि विजय क्रिकेट क्लब के पास में और अन्नपूर्णा थाने के ठोक पास खेल बाउंड है। यहां पर मिट्टों के ढेर बड़ी मात्रा में रोजाना लगाए जा रहे हैं। सुबह की सैर कराने बाले भी परेशान हैं और यहां रोजाना खेलकूद गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। दशहरा मैदान में विजय क्रिकेट क्लब काफी पुराना है, जहां से रावत पाटीदार जैसे खिलाड़ी भी निकले है।

1 करोड़ में होगा खजराना गणेश मंदिर का कायाकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खजराना, गणेश मंदिर में सिंहस्थ के चलते कई काम होने जा रहे हैं। मास्टर प्लान के अनुसार कई काम ऐसे होंगे जिससे सिंहस्थ के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी और खजराना गणेश मंदिर में गणेश जी के दर्शन आसानी से कर सकेंगे। अभी थोड़ी सी भीड़ आने पर भी मंदिर व्यवस्था बिगड़ जाती है जिसके चलते अब नई व्यवस्था की जा रही है।

खजराना गणेश मंदिर के मुख्य गर्भगृह की चौड़ाई और मंडर की चौड़ाई बढ़ाई जा रही है। रेलिंग व्यवस्था को अलग-अलग चौड़ा किया जा रहा है जहां कच्चे निर्माण है वहां पक्के निर्माण किए जा रहे हैं, ताकि सिंहस्थ के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को भगवान श्री गणेश जी के दर्शन की व्यवस्था बेहतर ढंग से हो जाएगी और किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। गर्भ गृह को मुख्य रूप से चौड़ा करने का प्लान बनाया गया है। मंदिर परिसर में ही पानी की निकासी की नालियों को बेहतर किया जाएगा।

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 8 मई को प्रीतमलाल दुआ सभागार पर जनजागृति के लिए संगीत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी सिंगर्स ने बेहतरीन प्रस्तुति दी, जिसमें श्रोताओं का भरपूर सहयोग मिला। बड़ी संख्या में श्रोताओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर आयोजन को सराहा।

बाबा लोकनाथ कला सम्मान, मुकुल नाग और सुरेश वर्मा को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर का प्रतिष्ठित बाबा लोकनाथ कला सम्मान इस वर्ष प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता एवं साईं बाबा सीरियल से लोकप्रिय श्री मुकुल नाग मुंबई को वर्ष 2024 हेतु आगामी 16 मई को शनि जयंती के अवसर पर एक भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा, साथ ही वर्ष 2025 का बाबा लोकनाथ कला सम्मान इंदौर के ही प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक और लेखक सुरेश वर्मा बंजरिया को दिया जाएगा । दादू महाराज संस्थान द्वारा वर्ष 2008 से आसाम के प्रसिद्ध संत बाबा लोकनाथ के नाम से संगीत, कला, अभिनय, नृत्य, लेखन आदि के क्षेत्र में यह पुरस्कार दिया जाता है। पुरस्कार में अभिनंदन पत्र, शॉल ,श्रीफल ,अंगवस्त्र,पुष्पमाला के साथ में सम्मान निधि प्रदान की जाती है, यह पुरस्कार अभी तक प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्यांगना रागिनी मख्खर शास्त्रीय गायिका नीलिमा छापेकर,रंगमंच मालवी बोली नरहरि पटेल ,तबला वादक दीपक देवड़ा, शास्त्रीय गायक रावजी आठभाई ,संगीतकार,गायक पंडित श्री कृष्णा सावनेर, वायलिन वादक मंगेश कुमार ,मूर्ति कला में सत्येंद्र विश्वकर्मा आदि को यह पुरस्कार दिया जा चुका है।

विदेश की धरती पर सम्मानित डॉ विकास दवे का इंदौर लेखिका संघ ने किया अभिनंदन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विदेश की धरती पर भारतीय साहित्य का परचम फहराने वाले मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ विकास दवे का इंदौर में आयोजित एक गरिमामय समारोह में इंदौर लेखिका संघ द्वारा अभिनंदन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने डॉ दवे को सम्मान स्वरूप शाल,श्रीफल और अभिनंदन पत्र भेंट किए। समारोह की अध्यक्षता मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति इंदौर के प्रधानमंत्री डॉ अरविंद जवलेकर ने की। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में पत्रकारिता और जनसंचार विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ सोनाली सिंह नरगुंदे सारस्वत अतिथि और स्टेट प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 11 मई 2026

गर्मी में कम हो रहा तालाबों का पानी, तालाबों के गहरीकरण सहित कई काम जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बढ़ती गर्मी के साथ ही शहर के तालाबों का जलस्तर कम हो रहा है। आसपास के भू-जल स्तर पर भी इसका असर दिखने को मिल रहा है। शहर में कई जगह पानी की समस्या से लोग जूझ रहे है। हालांकि नगर निगम टैंकरों से पानी की सप्लाई कर रहा है, लेकिन पानी की समस्या बनी हुई है। पानी की समस्या को देखते हुए नगर निगम शहर के तालाबों में बारिश के पहले किए जाने वाले काम कर रहा है, ताकि बारिश के पानी को ज्यादा सहेजा जा सके। इसका काम भी शुरू हो गया है। नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने कहा कि गर्मी में तालाबों में लगातार पानी कम हो रहा है। तालाबों के गहरीकरण और जीर्णोद्धार के काम होना है, जल गंगा संवर्धन अंतर्गत भी काम किया जा रहा है। बिलावली, लिंबोदी और छोटा सिरपुर में अमृत 2 में जो काम स्वीकृत हुए है उनका भी काम शुरू हो गया है। जनभागीदारी और सीएसआर के माध्यम से भी काम कराए जा रहे हैं। उनका कहना है कि जो काम बारिश के पहले होना है वह पहले कराएंगे। कुछ काम बाद में होंगे।

जनता से की अपील

निगम कमिश्नर ने बारिश के पानी को सहेजने की अपील की भी है, ये हम सभी की जिम्मेदारी है। नगर निगम भी अपना प्रयास कर रहा है। उन्होंने जनता से अपील की है कि उनके जो स्ट्रक्चर है, वहां बारिश के पानी को सहेजना का काम जरूर करें। वे बोले की कई बार उन्होंने निरीक्षण के दौरान देखा है कि लोग पाइप लगाकर पानी गाड़ी धोते हैं। अभी की स्थिति में ऐसा नहीं करना चाहिए और अपनी जिम्मेदारी निभाना चाहिए। बारिश के पानी को हम ग्राउंड तक ले जाए, ताकि अधिकतम उसका उपयोग हो।

भोपाल की ताल के चौपाल से

खाकी वाले अकबर पर भारी बीरबल की बुद्धि, मुश्किल में माननीय और रीलबाज कलेक्टर!

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्य प्रदेश की सियासत और अफसरशाही के गलियारों में इन दिनों रीलबाज कलेक्टरों की होड़, खाकी में अकबर-बीरबल की जंग और होम डिपार्टमेंट की बेताल कथा चर्चा का केंद्र बनी हुई है। वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के कॉलम बोल हरि बोल में पढ़िए इन घटनाओं के बारे में विस्तार से... सत्ता और सिस्टम में बहुत कुछ ऐसा होता है, जो फाइलों में दर्ज नहीं होता, पर चर्चाओं में आगे रहता है। अब देखिए ना, मध्यप्रदेश में इन दिनों रीलबाज कलेक्टर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। पांवड़े बनकर एक शादी में पहुंचे पटवारी साहब की चर्चा भी कम नहीं है। खाकी में अकबर और बीरबल की कहानी तैर रही है। होम डिपार्टमेंट बेताल कथा बन गया है।

रीलबाज कलेक्टरों में कंपटीशन!

मध्यप्रदेश की अफसरशाही में इन दिनों नया ट्रेंड जोर पकड़ रहा है। फाइलों और मीटिंगों से ज्यादा चर्चा अब रील्स की हो रही है। आधा दर्जन से भी कम, लेकिन बेहद चर्चित तीन-चार कलेक्टरों के बीच मानो रियल लाइफ को रील लाइफ में बदलने की होड़ मची हुई है। कोई सड़क पर निरीक्षण करते दिख रहा है, कोई बच्चों के बीच तो कोई खेत-खलिहानों में कैमरे के सामने एक्टिव मोड में नजर आ रहा है। दिलचस्प बात यह है कि कुछ वीडियो सोशल मीडिया के एल्गोरिदम की मेहरबानी से वायरल हो जाते हैं, जबकि कुछ को वायरल कराने के लिए कलेक्टर साहब की गुप्त डिजिटल सेना ताकत झोंक देती है। अफसरशाही के गलियारों में इसे लेकर खूब कानाफूसी है। समर्थक कहते हैं कि यदि कलेक्टर काम भी कर रहे हैं और जनता तक अपनी एक्टिविटी पहुंचा भी रहे हैं, तो दिक्कत क्या है? वहीं दूसरी तरफ कई अफसर तंज कस रहे हैं कि दिनभर शूटिंग, एडिटिंग और पोस्टिंग में व्यस्त रहने वाले साहब आखिर असली कलेक्टरी कब करते होंगे? क्योंकि बाकी अफसरों को तो सरकारी काम से ही फुर्सत ही नहीं मिल पाती है।

पांवड़े बनकर आए, पिटकर लौटे पटवारी साहब!

मध्यप्रदेश की ऊर्जाधानी से ऐसी शादी की कहानी सामने आई है, जिसकी चर्चा अब सरकारी गलियारों से लेकर चाय की टपरी तक हो रही है। किस्सा पटवारी साहब का है, जो ठाठ से साहब की शादी में पांवड़े बनकर पहुंचे थे। माहौल रंगीन था, डीजे बज रहा था और मेहमान खाने-पीने में व्यस्त थे। तभी पटवारी साहब के भीतर का फोटोग्राफर जाग उठा। उन्होंने बिना सोचे-समझे शादी में एक लड़की के फोटो खींच लिए। फिर क्या था... मामला मिनटों में गर्म हो गया। लड़की के घरवालों ने पहले सवाल पूछे और जवाब पसंद नहीं आया तो वहीं पटवारी साहब की खातिरदारी कर दी। हंगामा बढ़ता देख दूल्हे राजा यानी साहब भी नाराज हो गए। उन्होंने साफ कह दिया कि उनकी शादी में यह तमाशा कैसे हो गया। नतीजा यह निकला कि बारात की रस्में पूरी होने से पहले ही पटवारी साहब की विदाई हो गई।

काम न आई विशेष वार्ता!

सत्ता और सियासत के गलियारों में इन दिनों राजा साहब और डॉक्टर साहब की मुलाकात चर्चा बटोर रही है। यह भेंट कोई राजनीतिक रणनीति नहीं थी, यह तो सोमरस के मसले पर हुई थी। मामला रस बनाने वाली कंपनी का है, जिसे सरकार ने बोरिया-बिस्तर समेटने के आदेश दे दिए हैं। कहानी में ट्विस्ट तब आया, जब कंपनी की तरफ से पैरवी करने खुद राजा साहब मैदान में उतर गए। बड़ी उम्मीदों के साथ वे डॉक्टर साहब से मिलने पहुंचे। सूत्र बताते हैं कि मुलाकात लंबी चली। तर्क दिए गए और माहौल को हल्का बनाने की कोशिश भी हुई, पर डॉक्टर साहब सख्त नजर आए। अंदरखाने चर्चा है कि राजा साहब को उम्मीद थी कि उनकी बात टल नहीं पाएगी, पर मामला उल्टा पड़ गया। डॉक्टर साहब ने नियमों का हवाला देते हुए राहत देने से इनकार कर दिया।

खाकी में अकबर-बीरबल की कहानी!

सूबे की खाकी पुराने दरबार की कहानी जैसी नजर आ रही है। फर्क इतना है कि यहां ताज, सिंहासन और दरबार की जगह फाइलें, आदेश और वायरलेस हैं। विभाग के गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा अकबर और बीरबल की जोड़ी को लेकर हो रही है। कहते हैं कि यहां के अकबर साहब नियम-कायदे बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ते। मीटिंग होती है, निर्देश जारी होते हैं और अनुशासन पर लंबी-लंबी बातें होती हैं, लेकिन असली मजा उसके बाद आता है। सेना यानी मातहतों पर इन आदेशों का असर वैसा नहीं दिखता, जैसा होना चाहिए। उनके आदेश को हलके में निपटा दिया जाता है। उधर, छोटे साहब यानी विभाग के बीरबल जैसे ही कोई इशारा कर दें, पूरा अमला तुरंत हरकत में आ जाता है। फाइलें चलने लगती हैं। फोन घनघनाने लगते हैं और आदेश जमीन पर उतरते नजर आते हैं। अब विभाग में यही कानाफूसी है कि आखिर असली ताकत किसके पास है? नियम बनाने वाले अकबर के पास या बिना शोर किए काम करा लेने वाले बीरबल के पास।

होम डिपार्टमेंट का बेताल और पंडित जी!

मध्यप्रदेश का होम डिपार्टमेंट इन दिनों अफसरशाही में किसी बेताल कथा से कम चर्चा में नहीं है। हालत यह है कि यहां पोस्टिंग का नाम सुनते ही अफसर किनारा करने लगते हैं। यदि किसी की तैनाती हो भी जाए तो फिर कोशिश यही रहती है कि किसी तरह कार्यकाल कट जाए। ताजा किस्सा दो पंडित जी को लेकर है। कुछ महीने पहले भरोसे के साथ एक पंडित जी को होम की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। माना जा रहा था कि वे व्यवस्था को पटरी पर ले आएंगे, लेकिन मामला ज्यादा दिन चला नहीं। आखिरकार उनसे यह जिम्मेदारी वापस ले ली गई। अब विभाग की कमान दूसरे पंडित जी को सौंप दी गई है। इसके बाद मंत्रालय के गलियारों में एक ही चर्चा है कि होम डिपार्टमेंट का बेताल पहली पीठ छोड़कर अब दूसरी पीठ पर सवार हो गया है। गृह विभाग में लंबे समय से यही हाल है। यहां कुर्सी तो बड़ी है, लेकिन सुकून छोटा। शायद यही वजह है कि अफसर इस विभाग में जाने से पहले सोचते हैं।

माननीय पर कार्रवाई की तलवार!

सेना पर टिप्पणी कर सुर्खियों में आए माननीय की मुश्किलें अब बढ़ती नजर आ रही हैं। शीर्ष अदालत की सख्त फटकार के बाद सत्ता के गलियारों में हलचल तेज हो गई है। सरकार ने मामले का परीक्षण शुरू कर दिया है। मामला चूंकि मंत्री से जुड़ा है, इसलिए हर कदम बेहद सावधानी से रखा जा रहा है। अदालत का आदेश आते ही सामान्य प्रशासन विभाग सक्रिय होगा और उसके बाद गृह विभाग अभियोजन की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगा। यही वजह है कि मंत्रालय से लेकर राजनीतिक गलियारों तक इस केस को लेकर लगातार कानाफूसी जारी है। अगली सुनवाई 15 दिन बाद मुकर्रर की गई है। जानकारों की मानें तो सरकार के सामने दो रास्ते हैं। पहला, अदालत के आदेश का सीधा पालन किया जाए। दूसरा, फैसले के खिलाफ रिव्यू पिटीशन दायर कर कानूनी राहत तलाशने की कोशिश की जाए। दिलचस्प बात यह है कि पहले भी सरकार के पास रिव्यू में जाने का विकल्प था, पर तब ऐसा नहीं किया गया। अब देखना होगा कि सरकार मंत्री जी को बचाने के लिए कदम उठाएगी या...? बाकी आप सोच लीजिए।

पुलिस की 'साजिश' नाकाम, निर्दोष बबलू वर्मा को हाईकोर्ट से मिली क्लीन चिट

गौतमपुरा पुलिस की कार्यप्रणाली पर खड़े हुए बड़े सवाल; झूठे केस में 21 दिन जेल काटने के बाद न्याय की गुहार रंग लाई

निलेश चौहान (94250-77209)

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

गौतमपुरा कानून के रक्षक ही जब भक्षक बन जाएं, तो न्याय की उम्मीद धुंधली पड़ने लगती है। ऐसा ही एक सनसनीखेज मामला गौतमपुरा पुलिस का सामने आया है, जहाँ पुलिस ने असली अपराधियों के साथ सांठगांठ कर एक निर्दोष व्यक्ति, बबलू वर्मा, को न केवल सलाखों के पीछे भेजा, बल्कि उस पर धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाने) जैसा गंभीर आरोप भी मढ़ दिया।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप : बबलू वर्मा के परिजनों और कानूनी टीम के अनुसार, पुलिस ने 'मिथ्या साक्ष्य' (झूठे सबूत) गढ़े और मनगढ़ंत बयानों के आधार पर बबलू को मुख्य आरोपी बना दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस ने असली गुनहगारों को बचाने के लिए बबलू वर्मा की जमानत याचिका पर बार-बार आपत्ति दर्ज कराई, ताकि वह जेल से बाहर न आ सके।

21 दिन का 'अंधेरा' और कानूनी लड़ाई : बिना किसी आपराधिक भूमिका के बबलू वर्मा को 21 दिनों तक जेल की कालकोठरी में बिताने पड़े। पुलिस यहीं नहीं रुकी, उसने आनन-फानन में चार्जशीट दाखिल कर मामले को और संगीन बना दिया। पुलिस की इस 'फिक्सिंग' को चुनौती देते हुए बबलू वर्मा ने उच्च न्यायालय (हाईकोर्ट) का दरवाजा खटखटाया।

हाईकोर्ट का कड़ा रुख : 'मुकदमे के लिए बाध्य नहीं कर सकते'- 5 मई 2026 को हुई अंतिम सुनवाई में माननीय उच्च न्यायालय ने मामले की गहराई से जांच की और पुलिस की थ्योरी को सिरे से खारिज कर दिया। अदालत ने अपने ऐतिहासिक फैसले में कहा धारा 306 का कोई मामला नहीं बनता: पेश किए गए साक्ष्य बबलू वर्मा के खिलाफ कोई अपराध सिद्ध नहीं करते।

बबलू राहुल वर्मा को मिली क्लीन चिट

अनावश्यक उत्पीड़न: कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एक निर्दोष व्यक्ति को बिना आधार के मुकदमे का सामना करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

जानकारी में पता चला बबलू वर्मा का प्रॉपर्टी को लेकर पुराना विवाद चल रहा था गौतमपुरा खाना प्रभारी रही संगीता सोलंकी और विवेचक करता दीपक सिंह बघेल ने बिना जांच पड़ताल करें बबलू वर्मा पर केस दर्ज कर दिया घटना से लेकर 9 दिन तक बबलू वर्मा गौतमपुरा में नहीं थे इस फैसले के बाद अब गौतमपुरा पुलिस के उन अधिकारियों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है जिन्होंने असली अपराधियों से मिलकर एक निर्दोष का जीवन बर्बाद करने की कोशिश की। बबलू वर्मा के समर्थकों ने इसे 'सत्य की जीत और भ्रष्टाचार की हार' बताया है।

कुबेर और इंद्र से लेकर राहु-केतू भी करते हैं नर्मदा के तट पर आकर तपस्या : आचार्य पं. शास्त्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पूरी दुनिया हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और वर्चस्व के संक्रमण में डूबी हुई है, वहीं हमारा हिंदुस्तान ऐसा देश है जहाँ कुम्भ मेले में करोड़ों लोग त्रिवेणी संगम के स्नान में डूबने के लिए जमा हो जाते हैं। सनातन धर्म में प्रदर्शन नहीं, दर्शन को प्राथमिकता मिली हुई है। माँ नर्मदा के तट का प्रत्येक हिस्सा ऋषि, मुनियों और देवताओं की तपश्चचर्या से इतना घिरा हुआ है कि यदि राई का एक दाना वहां फेंका जाए तो वह किसी तपस्वी के कमंडल में ही गिरेगा। नर्मदा के तट पर कुबेर से लेकर इंद्र और बुध से लेकर राहु-केतू भी तपस्या करते हैं। विचारणीय प्रश्न यह है कि क्या हमारे पूर्वजों ने कभी सोचा था कि नदियों के इस देश में पानी की बोतलें भी बिकेगी और प्राणवायु ऑक्सीजन के सिलेंडर भी पैसों से खरीदे जाएँगे। राजा बलि और वामन अवतार का प्रसंग जबलपुर के भेडाघाट का है। नर्मदा के उत्तर और दक्षिण तट अनेक पौराणिक गाथाओं से जुड़े हुए हैं जहाँ आज भी माँ भगवती की जीवंत लीलाएँ होती हैं।

चतुर्थी के उजमन महोत्सव के लिए अन्नपूर्णा क्षेत्र अग्रवाल महासंघ की तैयारियां शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री अन्नपूर्णा क्षेत्र अग्रवाल महासंघ की मेजबानी में पुरुषोत्तम मास की चतुर्थी के उजमन का आयोजन 3 जून को किया जाएगा। इसकी तैयारियों के लिए रविवार को महासंघ के संरक्षक किशोर गोयल, अध्यक्ष मनोज अग्रवाल एवं महामंत्री विष्णु गोयल के मार्गदर्शन में महिला समिति की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें निर्णय लिया गया कि 31 महिलाओं के चतुर्थी व्रत का उजमन महोत्सव हवा बंगला कैट रोड स्थित हरिधाम आश्रम के पास तिरुमनी ग्रीन्स गार्डन पर आयोजित होगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

श्री राम मंदिर पंचकुइया आश्रम में परिंदों की प्यास बुझाने के लिए छतों पर रखे सकोरे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच श्री राम मंदिर पंचकुइया आश्रम में पक्षियों के लिए सराहनीय पहल की गई। पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज ने आश्रम की छतों पर पक्षियों के लिए सकोरे रखवाए, ताकि तेज गर्मी में परिंदों को पानी मिल सके और उनकी प्यास बुझ सके। इस दौरान महामंडलेश्वर रामगोपालदास महाराजश्री ने श्रद्धालुओं और भक्तों को भी अपने घरों की छतों, बालकनी और आसपास के स्थानों पर सकोरे रखने का संकल्प दिलाया।

शुभारंभ अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● तहसील विधिक सेवा समिति एवं अधिवक्ता संघ देपालपुर के संयुक्त तत्वावधान में नेशनल लोक अदालत के शुभारंभ अवसर पर एक गरिमामय मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह जिला न्यायाधीश माननीय हिदायत उल्ला खान के मुख्य आतिथ्य एवं अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अंतर सिंह मौर्य की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर तहसील देपालपुर क्षेत्र में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने मेधावी विद्यार्थियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने कहा कि मेधावी विद्यार्थी केवल अपने परिवार की आशाओं का केंद्र नहीं होते, बल्कि वे समाज और राष्ट्र के भविष्य के निर्माता होते हैं। आप सबकी मेहनत, अनुशासन और लगन ही आने वाले भारत की दिशा तय करेगी। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जिला न्यायाधीश श्री खान ने कहा कि शिक्षा ही वह दीपक है, जो अज्ञानता का अंधकार मिटाकर जीवन को नई दिशा देता है। माता-पिता के त्याग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और स्वयं के परिश्रम का सम्मान करते हुए निरंतर आगे बढ़ना ही सच्ची सफलता है। जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने नेशनल लोक अदालत के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल मुकदमों के निपटारे का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, आपसी समझौते और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि जहाँ संवाद होता है, वहाँ विवाद समाप्त हो जाता है और नेशनल लोक अदालत न्याय का ऐसा उत्सव है, जहाँ समय, धन और ऊर्जा की बचत के साथ संबंधों में मधुरता बनी रहती है।

सम्पादकीय

पटना में विद्यार्थियों पर लाठी, सवालों पर खामोशी

आखिर क्या वजह है कि विद्यार्थियों के सामने शिक्षक भर्ती को लेकर गुमराह करने का आरोप लगाने की नौबत आई है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी आंदोलन या प्रदर्शन को लेकर सरकार का यह रुख सामने आया है। बिहार के पटना में विद्यार्थियों के प्रदर्शन के दौरान राज्य की पुलिस का जैसा रवैया सामने आया है, उसे आम जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों के तहत किसी मसले पर सरकार से विचार की मांग के स्वर का दमन करने की तरह देखा जा सकता है। सवाल है कि अगर नागरिकों के सामने अपनी किसी मांग के लिए आंदोलन या प्रदर्शन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह जाता है, तो संवाद के जरिए उनकी समस्या का समाधान करने या कोई रास्ता निकालने की कोशिश की जाएगी या उन्हें चुप कराने के लिए सीधे लाठी-डंडे का सहारा लिया जाएगा? हैरानी की बात है कि शिक्षक भर्ती से संबंधित प्रक्रिया में लगातार देरी और टालमटोल से परेशान विद्यार्थियों ने जब पटना में विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश की, तो उनकी मांगों पर विचार करने के बजाय उन पर लाठी चार्ज किया गया और महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया। राज्य की पुलिस के इस रवैये को क्या किसी भी तरह से प्रदर्शनकारियों के प्रति एक लोकतांत्रिक शासन की प्रतिक्रिया कहा जा सकता है? अगर नागरिकों के किसी हिस्से को सरकार से अपने अधिकार या अन्य मांग करने से इस तरह रोका जाएगा, तो उसमें नागरिक अधिकारों की क्या जगह रह जाएगी? आखिर क्या वजह है कि विद्यार्थियों के सामने शिक्षक भर्ती को लेकर गुमराह करने का आरोप लगाने की नौबत आई है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी आंदोलन या प्रदर्शन को लेकर सरकार का यह रुख सामने आया है। इससे पहले भी कई बार विद्यार्थियों और अन्य नागरिक समूहों ने अलग-अलग मुद्दे पर प्रदर्शन किया है, लेकिन उनकी मांगों पर विचार या बातचीत करने के बजाय उन्हें चुप करने और भगाने के लिए लाठी चार्ज का सहारा लिया गया। अफसोसनाक यह है कि बिहार में जो पार्टियां फिलहाल सत्ता में हैं, उन्होंने एक समय जनता की उपेक्षा किए जाने को ही मुद्दा बनाया था। हकीकत यह है कि आंदोलनों या प्रदर्शन के प्रति पिछले कुछ वर्षों से राज्य सरकार का जो रवैया है, उससे लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों के लिए जगह सिमट रही है।

तमिलनाडु में उभरता 'थिंक टैंक शासन' - क्या बदलेगा लोकतंत्र का चेहरा?

- तमिलनाडु में 'ब्रेन राज': क्या विजय ने सियासत का डीएनए बदल दिया?
- भारत की राजनीति बदलने का ब्लूप्रिंट क्या तमिलनाडु से तैयार हो रहा है?

तमिलनाडु की राजनीति इस समय केवल सरकार बदलने की कहानी नहीं लिख रही, बल्कि राजनीतिक संस्कृति के पुनर्जन्म का दृश्य रच रही है। जातीय गणित, पारिवारिक विरासत और भावनात्मक नारों पर दशकों तक चलने वाली राजनीति के बीच अभिनेता से मुख्यमंत्री बने विजय ने ऐसा दांव चला है, जिसने देशभर का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। मुख्यमंत्री विजय सहित 10 सदस्यों वाला उनका शुरुआती कॉम्पैक्ट कैबिनेट आकार में छोटा जरूर है, लेकिन संदेश में बेहद विशाल दिखाई देता है। यहां कुर्सियों की संख्या कम है, पर योग्यता, शिक्षा, पेशेवर अनुभव और युवा सोच की चमक असाधारण है। यह कैबिनेट पारंपरिक सत्ता का चेहरा नहीं, बल्कि 'ब्रेन पावर' को शासन की सबसे बड़ी ताकत बनाने की नई राजनीतिक घोषणा प्रतीत होता है। तमिलनाडु की नई सत्ता कहानी में सबसे प्रभावशाली चेहरा 29 वर्षीय एस. केरथना बनकर उभरी हैं, जिन्होंने मंत्री पद संभालते ही राजनीति में उम्र की पुरानी सीमाओं को चुनौती दे दी। शिवकासी (आतिशबाजी राजधानी) में साधारण पृष्ठभूमि से पहली महिला विधायक और मंत्री बनकर सत्ता के केंद्र तक पहुंचीं केरथना अब केवल युवा महिला मंत्री नहीं, बल्कि बदलते राजनीतिक दौर की पहचान बन चुकी हैं। तमिल माध्यम की सरकारी शिक्षा से गणित और सांख्यिकी में उच्च अध्ययन तक उनका सफर दिखाता है कि राजनीति अब केवल भाषणों का मंच नहीं, बल्कि आंकड़ों, समझ और सामाजिक संवेदनाओं का क्षेत्र भी बन रही है। आतिशबाजी उद्योग के मजदूरों, महिलाओं के समान वेतन और स्वास्थ्य मुद्दों पर उनका संघर्ष साबित करता है कि यह पीढ़ी सत्ता का सुख नहीं, समाज की आवाज बनना चाहती है।

विजय के 'ब्रेन कैबिनेट' को सबसे अधिक प्रशासनिक मजबूती पूर्व आईआरएस अधिकारी और डॉक्टर के.जी. अरुणराज की मौजूदगी देती है। टैक्स प्रशासन का वर्षों का अनुभव और चिकित्सा क्षेत्र की गहरी समझ उन्हें इस टीम का सबसे भरोसेमंद चेहरा बनाता है। उनका राजनीति में प्रवेश उस पुरानी धारणा को तोड़ता है, जिसमें योग्य प्रोफेशनल्स सत्ता से दूरी बनाए रखते थे। सुरक्षित सरकारी करियर छोड़कर अरुणराज ने संकेत दिया है कि राजनीति अब केवल वंशवाद का मंच नहीं, बल्कि गंभीर नीति निर्माण का केंद्र भी बन सकती है। उनकी मौजूदगी से वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और प्रशासनिक सुधारों की उम्मीदें स्वत: मजबूत दिखाई देती हैं।विजय की राजनीतिक टीम पारंपरिक सत्ता ढांचे से अलग, योग्यता और निष्ठा पर आधारित नए राजनीतिक मॉडल की झलक देती है। टीवीके के 108 विधायकों में 6 पीएचडी धारक, 22 पोस्ट ग्रेजुएट, 5 आईआईटी इंजीनियर, 8 एमबीबीएस डॉक्टर और करीब 40 वकील-इंजीनियर शामिल हैं। कुल 67 विधायक ग्रेजुएट हैं। द्रविड़ पार्टियों की पारंपरिक राजनीति में ऐसे बड़े पैमाने पर शिक्षित प्रतिनिधित्व दुर्लभ रहा है। ये आंकड़े केवल डिग्रियों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि बदलती राजनीतिक सोच का संकेत हैं। विजय ने उस पुरानी धारणा को तोड़ा है कि शासन केवल राजनीतिक अनुभव से चलता है। उन्होंने साबित किया कि तकनीकी समझ, प्रशासनिक दृष्टि और डेटा-आधारित नीति ही आधुनिक सत्ता की असली ताकत हैं। यही कारण है कि उनका कैबिनेट पारंपरिक मंत्रिमंडल नहीं, बल्कि एक रणनीतिक 'थिंक टैंक' नजर आता है। विजय सरकार की असली चुनौती अब भाषणों या डिग्रियों नहीं, बल्कि सत्ता संचालन की कठोर हकीकत से टकराने वाली है। चुनाव जीतना एक उपलब्धि हो सकती है, लेकिन बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट, उद्योग, कानून-व्यवस्था और सामाजिक संतुलन जैसे मोर्चों पर टिके रहना कहीं कठिन परीक्षा है। यहां केवल शिक्षा नहीं, अनुभव, राजनीतिक धैर्य और जमीनी समझ भी निर्णायक बनते हैं। विजय ने युवा प्रोफेशनल्स और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाकर नई कार्यशैली गढ़ने की कोशिश की है। छोटा कैबिनेट फैसलों को तेज बना सकता है, लेकिन सीमित अनुभव संकट में कमजोरी भी साबित हो सकता है। यही वजह है कि यह सरकार जितनी उम्मीदों का केंद्र है, उतनी ही तीखी निगाहों के घेरे में भी। विजय की राजनीति का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सत्ता अब केवल पारिवारिक दरबारों की विरासत नहीं रहनी चाहिए। उनकी टीम के अधिकांश चेहरे किसी राजनीतिक खानदान से नहीं, बल्कि अपनी मेहनत, शिक्षा और सामाजिक संघर्ष के दम पर उभरे हैं। यह बदलाव केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि युवाओं की सोच बदलने वाला भी है। इससे यह विश्वास मजबूत होगा कि राजनीति में जगह बनाने के लिए बड़े उपनाम या जातीय समीकरण अनिवार्य नहीं हैं। 'न्यू तमिलनाडु' की अवधारणा भी इसी सोच से जन्म लेती है, जहां सत्ता का आधार वंश नहीं, क्षमता बनती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है, तो इसका प्रभाव केवल तमिलनाडु नहीं, पूरे भारतीय लोकतंत्र की दिशा पर पड़ सकता है। विजय की राजनीति का मूल संदेश साफ है - सत्ता अब नारों और भावनात्मक लहरों से नहीं, परिणाम देने वाली सोच से चलेगी। हीटवेव, महिला सुरक्षा, ग्रामीण स्वास्थ्य, औद्योगिक सुरक्षा और रोजगार जैसे मुद्दे अब भीड़ को संबोधित करने नहीं, बल्कि विशेषज्ञ दृष्टि से समाधान मांगते हैं। केरथना जैसी युवा नेता जमीनी आकांक्षाओं की धड़कन समझती हैं, जबकि अरुणराज जैसे अधिकारी प्रशासन को पारदर्शिता और अनुशासन दे सकते हैं। यह कैबिनेट बताता है कि आधुनिक शासन अब केवल जनसभाओं की चमक नहीं, बल्कि समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान की क्षमता है। यही वजह है कि विजय की टीम 'ब्रेन कैबिनेट' नहीं, नई राजनीतिक कार्यसंस्कृति का उभरता प्रतीक बनती जा रही है। तमिलनाडु की राजनीति आज ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां पहली बार सत्ता का आधार जातीय समीकरणों और पारिवारिक विरासत से हटकर योग्यता, शिक्षा और प्रोफेशनल क्षमता को बनाया जा रहा है। विजय का 'ब्रेन कैबिनेट' सफल होगा या नहीं, इसका फैसला समय करेगा, लेकिन उन्होंने राजनीति की बहस की दिशा बदल दी है। अब सवाल केवल जाति, क्षेत्र या उपनाम का नहीं, बल्कि नेतृत्व की क्षमता, दृष्टि और परिणाम देने की ताकत का भी होगा। यदि शिक्षित और प्रोफेशनल नेतृत्व की यह टीम जनहित में ठोस बदलाव ला पाती है, तो तमिलनाडु भारतीय राजनीति को नया मॉडल दे सकता है। यह केवल सरकार नहीं, बल्कि उस नए दौर की शुरुआत है जहां सत्ता की सबसे बड़ी पहचान कुर्सी नहीं, क्षमता बनती है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत' शिक्षाविद्
बड़वानी (मप्र)

अपनी लाश पर व्यवस्था सुधारने की बेवकूफाना ज़िद

अजीब तमाशा है। हम उस दौर में जी रहे हैं जहाँ खुदकुशी को 'क्रांति' का नाम देने की कोशिश की जा रही है। आप सड़क पर बिना हेलमेट के फर्राटा भरते हैं, लाल बत्ती को ठेंगे पर रखते हैं और जब कोई टोक दे, तो दलील देते हैं, 'अरे साहब, पहले सड़कों के गड्ढे तो भरवाओ, फिर हमें ज्ञान देना।' सुनने में यह तर्क बड़ा क्रांतिकारी लगता है। लगता है जैसे कोई व्यवस्था के गाल पर तमाचा जड़ रहा हो। लेकिन असल में, यह तमाचा आप अपने ही चेहरे पर मार रहे हैं। यह कोई वैचारिक विरोध नहीं, बल्कि एक आत्मघाती ज़िद है। यह वैसा ही है जैसे कोई मरीज़ डॉक्टर से कहे कि 'जब तक मोहल्ले की गंदगी साफ नहीं होगी, मैं अपने सड़ने वाले घाव पर पट्टी नहीं बाँधूँगा।' अब डॉक्टर का क्या जाएगा? सड़न तो आपके जिस्म में फैलेगी, मौत का मातम तो आपके घर में मनेगा।यह सच है। हमारे शहरों की सड़कें मौत के कुएँ जैसी हैं। प्रशासन की फाइलें भ्रष्टाचार की दीमक चाट रही हैं और पुलिस की मुस्तैदी अक्सर सुविधा शुल्क पर टिकी होती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सिस्टम फेल है। लेकिन क्या सिस्टम की इस विफलता का बदला आप अपनी गर्दन तुड़वा कर लेंगे। आप कहते हैं कि जब तक सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाती, तब तक आप नियमों का पालन क्यों करें, तो जनाब, सरकार के लिए आप सिर्फ एक 'सांख्यिकी' (डाटा) हैं। दुर्घटना हुई, तो आप एक सरकारी रजिस्टर में दर्ज एक और अंक बन जाएंगे। लेकिन अपने परिवार के लिए आप पूरी दुनिया हैं। सरकार की नाकामी का ढोल पीटते-पीटते आप श्मशान की राह पकड़ लेंगे, तो इससे व्यवस्था नहीं सुधरेगी, बल्कि एक घर का चिराग बुझ जाएगा। सवाल सीधा है, क्या आप अपनी जान की बाजी लगाकर प्रशासन को आईना दिखाना चाहते हैं, यह बहादुरी नहीं, बेवकूफी है। हमने सुरक्षा नियमों को 'थोपे गए कानून' की तरह देखना शुरू कर दिया है। हेलमेट हमें बोझ लगता है, सीट बेल्ट एक बंधन। हमें लगता है कि नियम मानकर हम पुलिस वाले पर कोई अहसान कर रहे हैं। याद रखिये, चालान के दो-पाँच सौ रुपये पुलिस की जेब में जाएँ या सरकारी खजाने में, उससे व्यवस्था को फर्क नहीं पड़ता। लेकिन सड़क पर जब आपका सिर कंक्रीट से टकराएगा, तब कोई 'सिस्टम' आपको बचाने नहीं आएगा। तब आपका अपना हेलमेट ही आपकी आखिरी ढाल होगा। हम एक आदर्श समाज की वकालत करते हैं, लेकिन शुरुआत पड़ोसी से चाहते हैं। हम चाहते हैं कि सड़कें यूरोपीय देशों जैसी हों, लेकिन हमारा बर्ताव कबीलाई है। हम खराब सड़कों पर चिल्लाते हैं, चिल्लाना भी चाहिए, यह लोकतंत्र में हमारा हक है, परंतु गड्ढों वाली सड़क पर बिना हेलमेट के तेज गाड़ी चलाना उस हक का इस्तेमाल नहीं, बल्कि अपनी मौत को दावत देना है। नियम तोड़ना कोई बहादुरी का पदक नहीं है। अराजकता से कभी सुधार नहीं आता। अगर पुलिस सो रही है, तो क्या आप भी अपनी आँखें बंद करके ट्रक के सामने कूद जाएंगे, सुरक्षा कोई 'डील' नहीं है कि 'तुम सड़क ठीक करो, तो मैं हेलमेट पहनूँ।' सुरक्षा एक समझदारी है, जो खुद से शुरू होती है।

राजकुमार जैन (सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ)

आंचलिक

'लव जिहाद' एक गंभीर सामाजिक चुनौती : डॉ. मालासिंह ठाकुर

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी ● कुक्षी में चार दिवसीय नवचेतना युवा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 51 गांवों के 600 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। शिविर के दूसरे दिन, रविवार को विश्व हिंदू परिषद की प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. मालासिंह ठाकुर ने 'लव जिहाद' को एक गंभीर सामाजिक चुनौती बताया। उन्होंने युवतियों को इस संबंध में सजग रहने का आह्वान किया।यह शिविर अखिल भारतीय सिर्वी महासभा निमाड़ जिला और अखिल भारतीय सिर्वी जिला युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया है। इसमें कुक्षी, मनावर और गंधवानी तहसील के कई गांवों से 600 से अधिक बालक-बालिकाएं शामिल हुए। शिविर में कई विषयों पर प्रेरक और जागरूकता आधारित सत्र आयोजित किए गए। डॉ. मालासिंह ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि 'लव जिहाद' कई स्वरूपों में समाज में फैल रहा है, जो सनातन संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास है। उन्होंने युवतियों को विशेष रूप से सजग और संस्कारित रहने की आवश्यकता पर जोर दिया।

डॉ. ठाकुर ने यह भी बताया कि वर्तमान में सोशल मीडिया, आर्थिक प्रलोभन और अन्य माध्यमों से युवाओं को गुमराह करने के प्रयास बढ़ रहे हैं, ऐसे में सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए युवाओं को सजग

और सशक्त बनना होगा। शिविर के सत्र के शुभारंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक भूपेंद्र कसेरा ने बच्चों को अनुशासन का महत्व समझाया और जीवनशैली में सुधार पर मार्गदर्शन दिया।

सिर्वी महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष कांतिलाल गेहलोत ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए जीवन में आगे बढ़ने के लिए कड़ी मेहनत करने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि महासभा ने शिक्षा कोष की स्थापना की है, ताकि धन के अभाव में किसी भी जरूरतमंद विद्यार्थी की शिक्षा प्रभावित न हो। प्रांतीय शिक्षा सचिव नरेंद्र सिरवी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। सिर्वी महासभा के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष सीए भगवान लछेटा ने आई माताजी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला, उनके चमत्कारों और समाज के प्रति योगदान का उल्लेख किया।

'स्वागत पर नहीं, बच्चों की पढ़ाई पर खर्च करें': प्रहलाद मोदी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● क्षत्रिय राठौड़ समाज की जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह हरियाली मैरेज गार्डन में आयोजित हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाई प्रहलाद मोदी ने कार्यकारिणी के 107 पदाधिकारियों और सदस्यों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रहलाद मोदी ने समाज को फिजूलखर्ची रोकने और बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वागत-सम्मान पर खर्च करने के बजाय यह पैसा बच्चों की पढ़ाई पर लगाया जाना चाहिए। मोदी ने वीआईपी संस्कृति पर होने वाले खर्च को बंद कर बच्चों की शिक्षा पर राशि खर्च करने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि शपथ लेने वाले पदाधिकारियों को समाज हित में किए गए कार्यों का हिसाब देना होगा। समारोह में विधायक बालकृष्ण पाटीदार, गोविन्द प्रसाद राठौड़, राधेश्याम अस्तोलिया, सिल्लन साहू, अमित राठौड़, आरएन राठौर, विजय राठौड़, अमृतलाल राठौड़ और वंदना राठौड़ सहित कई गणमान्य व्यक्ति मंचासीन रहे। शहर पहुंचने पर प्रहलाद मोदी का जगह-जगह स्वागत किया गया।

बांबे बाजार में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, रेलवे स्टेशन तक तोड़े गए कच्चे निर्माण

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● प्रशासन ने नगर निगम से लेकर रेलवे स्टेशन तक अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की। सिटी मजिस्ट्रेट और निगम उपायुक्त के नेतृत्व में सड़क किनारे लगे ठेलों को हटाया गया और दुकानों के बाहर बने कच्चे छज्जों को जेसीबी से तोड़ दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई शहर की बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था और जाम की समस्या को दूर करने के लिए की गई है। दरअसल, दो दिन पहले ही भाजपा नेताओं पर मार्केट में लगने वाले ठेलों से अवैध वसूली करने के आरोप लगे थे। घंटाघर पर मोमोज का ठेला लगाने वाले एक दुकानदार ने इसका खुलकर विरोध किया था। इसके बाद भाजपा के ही एक गुट ने वसूली करने वाले गुट के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। शनिवार को आयोजित भाजपा के प्रशिक्षण शिविर में भी यह मुद्दा काफी गर्माया रहा।

माना जा रहा है कि डैमेज कंट्रोल और बचाव के लिए शहर सरकार ने आनन-फानन में यह प्लान बनाया और अतिक्रमण पर बुलडोजर चलवा दिया। प्रशासन और नगर निगम की टीम ने यह कार्रवाई शनिवार शाम उस वक्त की, जब बाजार में ग्राहकी का समय था और पूरा मार्केट खचाखच भरा हुआ था। भारी भीड़ के बीच अतिक्रमण हटाकर प्रशासन और सत्ताधारी दल ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि वे वसूलीबाजों के खिलाफ हैं। इस दौरान कई स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने प्रशासन की कार्रवाई का विरोध भी किया।

डिजिटल जनगणना का पहला चरण शुरू, 30 मई तक टीमें घर-घर पहुंचेंगी

दैनिक इंदौर संकेत

धामनोद ● नगर परिषद इलाके में नई जनगणना की तैयारी जोर-शोर से शुरू हो गई है। 1 मई से मकानों की गिनती और जानकारी जुटाने का काम शुरू हुआ है, जो 30 मई तक चलेगा। नगर परिषद अधिकारी माया मंडलोई ने इस काम की शुरुआत की। आज 10 मई को धार और भोपाल से जांच दल के सदस्य भी पहुंचे और लोगों को जागरूक करने के लिए गांव में गाड़ी (रथ) भी निकाली गई। खास बात यह है कि इस बार सारा काम कागज-कलम के बजाय मोबाइल के जरिए किया जा रहा है। गिनती करने वाले कर्मचारी घर-घर जाकर सीधे मोबाइल पर जानकारी भर रहे हैं। हर कर्मचारी को अपना-अपना इलाका बांट दिया गया है, ताकि कोई भी घर छूट न जाए। जिले के अधिकारियों के मुताबिक, घर-घर जाकर परिवार के मुखिया का नाम और मोबाइल नंबर मांगा जा रहा है। इसके साथ ही कुल 33 तरह की जानकारियां ली जा रही हैं। जैसे—मकान कच्चा है या पक्का, छत किस चीज की बनी है, घर में खाने-पीने की क्या व्यवस्था है, खाना बनाने के लिए किस ईंधन का इस्तेमाल होता है और घर में कौन-सी गाड़ी है। जो भी जानकारी मोबाइल पर भरी जाती है, उसे जांच के लिए

बड़े अधिकारियों के पास भेजा जाता है। अगर किसी जानकारी में कोई गलती मिलती है, तो उसे सुधारने के लिए वापस भेजा जाता है। जब पूरी जानकारी सही हो जाती है, तभी उसे मुख्य खाते में दर्ज किया जाता है। इससे पूरी प्रक्रिया साफ-सुथरी और व्यवस्थित रहेगी। नगर परिषद अधिकारी माया मंडलोई ने लोगों से कहा है कि जब कर्मचारी उनके घर आएं, तो उन्हें सही-सही जानकारी दें। उन्होंने बताया कि मकानों और परिवारों की सही जानकारी मिलने से ही आगे की योजनाएं अच्छे से बन पाएंगी।

पीएम मित्रा पार्क विस्थापितों को मिले भूखंड आवंटन पत्र, एमपीआईडीसी ने भैंसोला में बनाए पक्के मकान

दैनिक इंदौर संकेत

बदनावर। ● भैंसोला गांव में विकसित हो रहे देश के पहले प्रधानमंत्री मेगा मित्र टेक्सटाइल पार्क के निर्माण के कारण विस्थापित हुए परिवारों को भूखंड आवंटन पत्र सौंपे गए हैं। इन परिवारों को पक्के मकान भी उपलब्ध कराए जाएंगे। यह पार्क 2177 एकड़ क्षेत्र में लगभग 1500 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया जा रहा है। भैंसोला और दोतरिया गांव की भूमि को पार्क निर्माण में शामिल किया गया है, जिसके चलते कई परिवारों के मकान प्रभावित हुए हैं। इन विस्थापितों को अन्यत्र बसाने का कार्य जारी है। औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) द्वारा इनके लिए सर्वसुविधायुक्त पक्के मकान बनाए गए हैं।

तहसीलदार सुरेश नागर की उपस्थिति में शनिवार को पीएम मित्रा पार्क की भूमि पर निवासरत 11 परिवारों को भूखंड आवंटित किए गए। उन्हें आवंटन पत्र देकर सामान स्थानांतरित करने के लिए कहा गया है। शेष प्रभावित परिवारों को भी जल्द ही भूखंड आवंटित किए जाएंगे। एमपीआईडीसी के क्षेत्रीय कार्यालय इंदौर के कार्यकारी संचालक हिमांशु प्रजापति ने बताया कि भैंसोला में पीएम मित्रा पार्क की भूमि के बीच स्थित कुल 89 परिवारों को एमपीआईडीसी द्वारा विकसित एक सुव्यवस्थित कॉलोनी में स्थानांतरित किया जा रहा है। इसके तहत प्रत्येक परिवार को पक्के मकान दिए जा रहे हैं। इस कॉलोनी में 89 दो-बीएचके मकान और 140 विकसित भूखंड शामिल हैं। यहां बिजली, नल से जल, सड़क, एसटीपी, नालियां, आंगनवाड़ी केंद्र, प्राथमिक स्कूल, पार्क और सामुदायिक भवन जैसी सभी आधारभूत सुविधाएं विकसित की गई हैं। सुरक्षा के लिए पूरे परिसर को बाउंड्रीवॉल से कवर किया गया है। यह पूरी परियोजना 13.48 करोड़ रुपए की लागत से विकसित की जा रही है, जिसमें प्रत्येक निर्माणाधीन मकान की लागत लगभग 6 लाख रुपए है। समस्त हितग्राहियों को चरणबद्ध तरीके से मकान सौंपे जाएंगे। अतिरिक्त 140 विकसित भूखंड अन्य विस्थापन कार्यों के लिए उपयोग में लाए जाएंगे। तहसीलदार सुरेश नागर ने चर्चा में बताया कि विस्थापितों की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने 11 भूखंड आवंटन पत्र सौंपकर सामान शिफ्टिंग शुरू करवाई है और आगामी दिनों में और आवंटन पत्र सौंपे जाएंगे।

993 बकायादारों ने संपत्ति-जलकर जमा किया, निगम ने 67 लाख वसूले

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● साल की दूसरी नेशनल लोक अदालत में बकायादारों को अधिभार में छूट दी तो एक ही दिन में 67 लाख रुपए बकाया टैक्स लोगों ने शनिवार को जमा किया। इस बार निगम ने अधिभार में छूट के साथ ही इस वित्तीय वर्ष एडवांस एकमुश्त राशि जमा करने संपत्तिकर में 5 फीसदी की छूट भी दी। यह छूट 30 जून तक दी जाएगी। तेज गर्मी होने से इस बार सुबह 8 बजे ही निगम के काउंटर खुल गए थे। लेकिन इस बार कम ही लोग बकाया टैक्स जमा करने पहुंचे। अधिकांश समय निगम परिसर और कोर्ट परिसर में लगे शिविर में कर्मचारी खाली बैठे दिखाई दिए। काउंटरों पर भी ज्यादा भीड़ दिखाई नहीं दी।

उपायुक्त सचिन सिटोले ने बताया 553 करदाताओं से 50 लाख संपत्ति कर वसूला गया। वहीं 440 करदाताओं ने 17 लाख जलकर जमा किया। कोर्ट और निगम परिसर के अलावा सहायक राजस्वं नरीक्षकों ने घर-घर जाकर उपभोक्ताओं से संपत्ति और जलकर की राशि जमा कराई। इस दौरान राजस्व अधिकारी प्रकाश राजपूत, हरिशंकर दुबे, अभिषेक तिवारी, अनिल मालाकार, दीपांशु पहारे, रसीद खान, रेवाशंकर यावले, पवित्र ठाकुर, ज्योति भोले, भावना पिपलोनिया, सरिता बिसारे मौजूद थे।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी पंजाब

धर्मशाला (एजेंसी) • धर्मशाला स्टेडियम में सोमवार शाम 7:30 बजे से पंजाब किंग्स व दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाले मैच पर बारिश का साया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से सोमवार के लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित जिला कांगड़ा में भी यलो अलर्ट जारी किया है। इसमें कुछेक क्षेत्रों में 40-50 किमी की रफ्तार से आंधी-तूफान चलने व बिजली चमकने की संभावना जताई गई है। ऐसे में अब देवभूमि के बारिश के देवता इंद्रूनाग के आशीर्वाद पर ही मैच हो पाएगा। एचपीसीए व पंजाब किंग्स फ्रेंचाइजी की ओर से मैच से पहले स्टेडियम में कन्या पूजन भी किया जाएगा। इससे पहले इंद्रूनाग में पारंपरिक पूजा-पाठ सहित स्टेडियम में हवन-पाठ किया गया है। पिछले दो दिनों से धौलाधार की वादियों में धुंधले से बादलों ने डेरा डाले हुए हैं, बावजूद इसके बारिश नहीं हो रही है। क्षेत्र में लगातार हो रही बर्फबारी-ओलावृष्टि व बारिश से प्रचंड गर्मी के बीच मई में अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज हुई।

महिला तीरंदाजी टीम को गोल्ड मेडल

शंघाई (चीन) (एजेंसी) • दीपिका कुमारी, अंकिता भक्त और कुमकुम मोहोद वाली भारतीय महिला रिकर्व टीम ने रविवार को शूट-ऑफ में मेजबान चीन को हराकर शंघाई में हुए तीरंदाजी विश्व कप 2026 में स्वर्ण पदक जीता। रविवार को खेले गए मुकाबले में चौथी सीड वाली भारतीय तिकड़ी ने, झू ड्क्षजगयी, हुआंग युवेई और यू की की युवा दूसरी सीड वाली चीनी तीरंदाजी टीम के खिलाफ, चार सेट के आखिर में 4-4 से बराबरी पर रहने के बाद 28-26 से शूट-ऑफ जीता। अंकिता भगत, जो पेरिस 2024 ओलंपिक्स में धीरज बोम्मादेवरा के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही थीं, ने शूट-ऑफ की शुरुआत नौ से की, जिसके बाद कुमकुम ने 10 का स्कोर किया। जीत सुनिश्चित करने के लिए आठ की जरूरत थी, चार बार की ओलंपियन दीपिका ने नौ का स्कोर करके जीत पक्की की। यह दीपिका का 39वां तीरंदाजी विश्वकप पदक है। वहीं, अंकिता का आठवां और कुमकुम मोहोद का पहला पदक है।

चार ओवर फेंकने के लिए पूरी तरह फिट हूं : कैमरून ग्रीन

नई दिल्ली (एजेंसी) • इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने शानदार वापसी करते हुए लगातार चौथी जीत दर्ज की है। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कोलकाता ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराकर प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इस मुकाबले में फिन एलन ने नाबाद शतकीय पारी खेलकर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया, जबकि ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देकर टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। मैच के बाद कैमरून ग्रीन ने अपनी फिटनेस और गेंदबाजी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह अब पूरी तरह फिट हैं और टीम के लिए पूरे चार ओवर फेंकने के लिए तैयार हैं। ग्रीन ने कहा कि कोलकाता की टीम का संतुलन काफी मजबूत है और उनके पास कई गेंदबाजी विकल्प मौजूद हैं, जिससे उन्हें गेंदबाजी करने में आसानी होती है।

राशिद आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले विदेशी स्पिनर बने

जयपुर (एजेंसी) • गुजरात टाइटंस के स्पिनर राशिद खान ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। राशिद ने इस मैच में चार विकेट लेकर राजस्थान रॉयल्स को 152 रनों पर आउट करने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। राशिद अब आईपीएल इतिहास में विदेशी स्पिनर के तौर पर सबसे ज्यादा बार तीन या उससे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इसी के साथ ही कोलकाता नाइटराइजर्ड (केकेआर) के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन को भी पीछे छोड़ दिया है। यह ये 18 वीं बार है जब राशिद ने आईपीएल मैच में तीन या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इस उपलब्धि के साथ ही अब वह अमित मिश्रा और रवींद्र जडेजा जैसे प्रमुख स्पिनरों से आगे निकल गए हैं। अब केवल स्पिनर युजवेंद्र चहल ही उनसे आगे हैं, जिन्होंने 23 बार यह कारनामा किया है। अगर हम तेज गेंदबाजों को भी शामिल कर लें, तो राशिद से अधिक विकेट केवल जसप्रीत बुमराह के नाम 25, भुवनेश्वर कुमार के 21 और लसिथ मलिंगा के नाम 19 विकेट हैं। मैच के बाद अपनी गेंदबाजी पर बात करते हुए राशिद खान ने बताया कि पहली गेंद फेंकते ही उन्हें पिच से मदद मिलने का एहसास हो गया था।

रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स ने पेश किया 'कर्तव्य' का ट्रेलर; सैफ अली खान स्टारर यह फिल्म 15 मई से स्ट्रीमिंग होगी

मुंबई (एजेंसी) • 'धर्म निभाते हैं तो कर्म छूट जाता है, कर्म करते हैं तो धर्म छूट जाता है, कर्तव्य तक बात पहुंच ही नहीं पाती।' हर फैसले की कीमत चुकानी पड़ने वाली दुनिया में 'कर्तव्य' फिल्म सही और गलत के बीच की उस उलझन को दिखाती है, जहां कर्तव्य और उसके नतीजे एक-दूसरे के सामने खड़े हो जाते हैं। नेटफ्लिक्स ने आज इस आने वाली क्राइम ड्रामा फिल्म का दमदार ट्रेलर जारी किया है, जिसमें सैफ अली खान मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। ट्रेलर एक ऐसी दुनिया की झलक दिखाता है जो तनाव और रहस्य से भरी हुई है। इस फिल्म में रसिका दुग्गल, संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन, मनीष चौधरी और सौरभ द्विवेदी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, जिन्होंने अपने शानदार अभिनय से कहानी को और भी प्रभावशाली बना दिया हैं। पुलकित के निर्देशन में बनी और गौरी खान द्वारा रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित 'कर्तव्य' की कहानी पवन (खान) नाम के एक पुलिस अफसर के बारे में है। ड्यूटी के दौरान उसकी निगरानी में एक पत्रकार की गोली मारकर हत्या हो जाती है, जिसके बाद पवन पर सवाल उठने लगते हैं। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के दबाव के बीच पवन हमलावर की तलाश में जुट जाता है। यह जांच उसे सत्ता, प्रभाव और धोखे से भरी एक खतरनाक दुनिया में ले जाती है, जहाँ सच्चाई ढूंढना आसान नहीं होता। इसी बीच उसकी निजी जिंदगी भी बिखरने लगती है। उसके भाई से जुड़े विवाद के कारण उसके परिवार को धमकियां मिलने लगती हैं। इस वजह से पवन का संघर्ष सिर्फ काम तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसे घर और नौकरी दोनों जगह मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। जैसे-जैसे मामला आगे बढ़ता है, पवन अपने कर्तव्य और परिवार के बीच फंस जाता है, जहाँ हर फैसले की एक कीमत चुकानी पड़ती है। सैफ अली खानने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, 'पवन एक ऐसा इंसान है जो हमेशा अपने अंदर ही उलझा रहता है। वह यह तय करने की कोशिश करता है कि उसके हिसाब से क्या सही है, लोग उससे क्या उम्मीद करते हैं, और उसे किसकी रक्षा करनी है। मुझे 'कर्तव्य' की सबसे खास बात यह लगी कि यह आसान जवाब नहीं देती। यह आपको मुश्किल हालात में ले जाकर सोचने पर मजबूर करती है कि जब हर फैसले की निजी कीमत चुकानी पड़े, तब आप क्या करेंगे। पुलकित और पूरी कलाकार टीम के साथ काम करना बेहद शानदार और रोमांचक अनुभव रहा। साथ ही, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के साथ पहली बार इतने गहराई वाले प्रोजेक्ट पर काम करना भी खास रहा। हमें खुशी है कि दुनियाभर के दर्शक इस कहानी को नेटफ्लिक्स पर देख पाएंगे और इससे जुड़ पाएंगे।'

फिल्म 'बाबा' के दमदार फर्स्ट लुक से दर्शकों को किया प्रभावित

मुंबई (एजेंसी) • मृगया और रास जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय देने के बाद बंगाली स्टार विक्रम चटर्जी अब अपनी आगामी फिल्म बाबा के जरिए एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। जीत चक्रवर्ती द्वारा निर्देशित यह इमोशनल एक्शन-ड्रामा 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो फादर्स डे वीक के दौरान आएगी। विभिन्न किरदारों और कहानियों के साथ लगातार प्रयोग करने के लिए पहचाने जाने वाले विक्रम चटर्जी ने बंगाली एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में खुद को एक बेहद डायनामिक अभिनेता के रूप में स्थापित किया है। जहां दर्शक उनकी महत्वाकांक्षी वेब सीरीज़ तारकाटा को लेकर पहले से उत्साहित हैं, वहीं बाबा के फर्स्ट लुक और कहानी ने अभिनेता के आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। इमोशन, एक्शन, रोमांस और सोशल ड्रामा का बेहतरीन मिश्रण बाबा गौरव नाम के एक युवा पत्रकार की कहानी है, जिसकी परवरिश एक अनाथालय में हुई है और जिसका एकमात्र सपना दुनिया का सबसे अच्छा पिता बनना है। लेकिन उसकी जिंदगी तब खतरनाक मोड़ लेती है जब वह कोलकाता में चल रहे एक चाइल्ड ट्रैफिकिंग रैकेट में फंस जाता है। इसके बाद शुरू होती है प्यार, त्याग, संघर्ष और बदले की एक रोमांचक यात्रा। फिल्म में किरण मजूमदार, अपराजिता आड्या, ममता शंकर, देबराज भट्टाचार्य, कंचन मलिक और बिस्वनाथ बसु जैसे शानदार कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

उज्जैन संभाग

क्लीनिक में छात्रा की मौत पर बवाल, शव रखकर दिया धरना

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • एक निजी क्लीनिक में अपेंडिक्स के इलाज के दौरान 11 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों ने पहले क्लीनिक के बाहर शव रखकर धरना दिया। प्रशासन की कार्रवाई के बावजूद गुस्सा शांत नहीं हुआ और बाद में चरक अस्पताल के सामने चक्काजाम कर दिया गया। यह घटना उज्जैन की मंछामन कॉलोनी स्थित जनसेवा नोबल पाली क्लीनिक में हुई। महिदपुर तहसील के ग्राम तीलियां खेड़ी निवासी मेहरबान सिंह की 11 वर्षीय बेटी दिव्या सूर्यवंशी का यहां इलाज चल रहा था। दिव्या कक्षा 7वीं की छात्रा थी। उनके पिता उज्जैन में प्रॉपर्टी ब्रोकर अजय सिंह के यहां चौकीदारी करते हैं। दिव्या को ऑपरेशन के लिए क्लीनिक में भर्ती कराया गया था। शाम 5 बजे परिजनों के अनुसार, उसे फ्रीगंज स्थित अपना हॉस्पिटल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची की मौत की खबर मिलते ही परिजन आक्रोशित हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि क्लीनिक बंद कर डॉक्टर और स्टाफ मौके से चले गए। इसके बाद परिजनों ने शव सड़क पर रखकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर नीलगंगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन स्थिति शांत नहीं हुई। इसके बाद सीएसपी श्वेता गुप्ता और एसडीएम एल.एन. गर्ग भी घटनास्थल पर पहुंचे। बाद में सीएमएचओ अशोक पटेल को बुलाया गया, जिन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए क्लीनिक को सील कर दिया और मामले की जांच के निर्देश दिए। हालांकि, इन कार्रवाइयों के बाद भी परिजनों का गुस्सा शांत नहीं हुआ। पोस्टमार्टम के लिए शव ले जाने के बाद उन्होंने चरक अस्पताल के सामने आगर रोड पर चक्काजाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया। मृतका के पिता मेहरबान सिंह ने आरोप लगाया कि बच्ची की हालत बेहद नाजुक होने के बावजूद अस्पताल स्टाफ ने समय पर सही जानकारी नहीं दी। उन्होंने यह भी कहा कि इलाज की स्थिति स्पष्ट नहीं की गई और गंभीर हालत में भी उनकी बेटी को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भेजा जाता रहा। इस मामले में सीएमएचओ अशोक पटेल ने बताया कि बच्ची का अपेंडिक्स का ऑपरेशन हुआ था और इलाज चल रहा था। उन्होंने कहा कि अचानक तबीयत बिगड़ने पर हार्ट अटैक जैसी स्थिति की भी आशंका सामने आई है।

सिंहस्थ में घाट से हर 200 मीटर पर एंट्री पॉइंट, अधिकारियों ने पैदल चलकर परखी घाटों की व्यवस्था

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सिंहस्थ के आयोजन में अभी दो वर्ष का समय बाकी है, लेकिन प्रशासन ने अभी से तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्नान व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन को लेकर शनिवार सुबह मेला अधिकारी एवं संभागायुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा सहित करीब 30 अधिकारियों की टीम ने क्षिप्रा नदी के घाटों का निरीक्षण किया। अधिकारियों का दल सुबह 6 बजे शनि मंदिर से पैदल निकला और वाकणकर ब्रिज तक करीब 6 किलोमीटर चलते हुए लगभग 29 किलोमीटर लंबे घाट क्षेत्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान नवनिर्मित घाटों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही, सुरक्षा और एंट्री-एग्जिट व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने इस बात पर विशेष फोकस किया कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु घाटों तक आसानी से कैसे पहुंचेंगे। पार्किंग से घाट तक पहुंचने के मार्ग, स्नान के बाद सुरक्षित निकासी, सड़क कनेक्टिविटी और भीड़ नियंत्रण को लेकर अधिकारियों ने मौके पर ही मंथन किया। संभागायुक्त एवं मेला अधिकारी आशीष सिंह ने बताया कि अब रोजाना सुबह 6 बजे घाटों का निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घाट तो बनकर तैयार हो रहे हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि श्रद्धालु वहां तक पहुंचेंगे कैसे। इसी को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया गया है कि लगभग हर 200 मीटर पर एंट्री और एग्जिट बनाए जाएंगे।

शनि मंदिर में विस्फोटक, टीमों ने की सर्चिंग, श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस ने की मॉकड्रिल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • शनिवार को शनि मंदिर परिसर के पास एक संदिग्ध बैग रखे होने की सूचना मिली। डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते के साथ पहुंची पुलिस ने तुरंत सर्चिंग शुरू की। सबसे पहले डॉग स्क्वॉड ने संदिग्ध बैग की प्रारंभिक जांच की, फिर बग निरोधक दस्ते ने विभिन्न उपकरणों से जांच की। यह गतिविधि पुलिस की मॉक ड्रिल का हिस्सा थी, जो सिंहस्थ 2028 में सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के मद्देनजर की गई।

सूचना मिलते ही पुलिस ने पूरे क्षेत्र को चारों तरफ से घेर लिया और सुरक्षा प्रक्रिया शुरू की। सबसे पहले डॉग स्क्वॉड द्वारा संदिग्ध बैग की प्रारंभिक जांच की गई। इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने आधुनिक उपकरणों की मदद से बैग की जांच की। संदिग्ध वस्तु होने की आशंका पर क्ष्छ्ठस्र टीम के जवान विशेष सुरक्षा सूट पहनकर मौके पर पहुंचे और सर्चिंग अभियान चलाया। उज्जैन पुलिस का कहना है कि आने वाले सिंहस्थ में भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के सभी इंतजाम अपडेट किए जा रहे हैं। इसके लिए नए उपकरण भी खरीदे जा रहे हैं, जिन्हें भविष्य में सुरक्षा व्यवस्था में लगाया जाएगा। ड्रिल के माध्यम से सुरक्षा एजेंसियों की त्वरित प्रतिक्रिया, समन्वय एवं आपदा प्रबंधन क्षमता का परीक्षण किया गया। उज्जैन पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सतत रूप से सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है। मॉक ड्रिल के दौरान मंदिर में दर्शन करने पहुंचे कई श्रद्धालु शुरुआत में घबरा गए। वहीं घटनास्थल पर कार्रवाई देखने के लिए लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। हालांकि बाद में पुलिस ने लोगों को बताया कि यह केवल सुरक्षा अभ्यास है, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली और मंदिर में दर्शन करने पहुंचे।

यूडीए ने कहा - 30 मीटर के हिसाब से लगा रहे पोल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • पिपलीनाका से गढ़ कालिका मंदिर होते हुए ओखलेश्वर श्मशान तक और पिपलीनाका से भैरवगढ़ जेल चौराहा तक के दोनों मार्ग की चौड़ाई को लेकर फिर विरोधाभास सामने आया है। यूडीए (उज्जैन विकास प्राधिकरण) दोनों मार्ग पर 30 मीटर यानी करीब 100 फीट के हिसाब से समतलीकरण व पोल लगाने का काम करवा रही है। कार्यपालन यंत्री कुलदीप रघुवंशी बताते हैं कि हमारे पास चौड़ाई कम करने का निर्देश नहीं है। जबकि विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा दावा करते हैं कि 24 मीटर चौड़ाई यानी करीब 80 फीट के हिसाब से चौड़ीकरण होना चाहिए। एजेंसी से गलती हो रही है, उसे दिखवाते है। सिंहस्थ में भीड़ प्रबंधन के लिए शासन ने पिपलीनाका-भैरवगढ़ क्षेत्र के दो मार्ग सिक्स लेन करने की प्लानिंग की थी। फरवरी-मार्च में यूडीए ने दोनों मार्गों को 30 मीटर यानी 100 फीट चौड़ाई के लिए मार्किंग करवाई थी। रहवासियों ने विरोध जताया था, क्योंकि वे 80 फीट चौड़ीकरण की मांग पर अड़े थे। तब क्षेत्रीय विधायक कालूहेड़ा भी इस मांग को जायज ठहराते हुए रहवासियों के समर्थन में आगे आए थे। जनता द्वारा भाजपा कार्यालय का घेराव करने के बाद मामले ने तूल पकड़ा और भोपाल तक इसकी सूचना गई। विरोध के बीच शुरू हुआ था काम, रहवासी क्षेत्र में गतिविधि नहीं चौड़ीकरण के लिए जिम्मेदारों ने भैरवगढ़ पुल से और गढ़कालिका मंदिर के पीछे से कालभैरव मंदिर पहुंच मार्ग पर समतलीकरण का काम शुरू करवाया था। यह कार्य 30 मीटर चौड़ाई के हिसाब से ही किया जा रहा है। निर्माण एजेंसी की रहवासी क्षेत्र में फिलहाल कोई गतिविधि नहीं है। इससे उम्मीद हैं कि चौड़ाई रिवाइज होकर आएगी, लेकिन निर्माण एजेंसी फिलहाल ऐसा कुछ भी होने से इनकार कर रही हैं। बहरहाल मार्ग की चौड़ाई को लेकर संशय बरकरार है।

ऑनलाइन जुए ने कर्जदार बनाया, कॉन्स्टेबल ने जान दे दी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • बड़वानी के रहने वाले एक पुलिसकर्मी ने शुक्रवार को खंडवा में फांसी लगाकर जान दें दी थी। जांच में सामने आया कि पुलिसकर्मी कर्जदार हो चुका था। उसे ऑनलाइन गेमिंग (जुआ-सट्टा) की लत थी, इसी के चलते दोस्त, रिश्तेदारों से उधार पैसा ले रखा था। गेमिंग की लत ना छूटने और कर्ज चुकता ना होने के चलते वह परेशान हो गया। इसी तनाव में आकर उसने आत्महत्या कर ली। थाना पदमनगर क्षेत्र में इंदौर रोड़ पर किशोर कुमार समाधीस्थल के पास एक युवक का शव मिला था। शव एक बबूल के पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका था। मृतक की पहचान बड़वानी जिले के राजपुर क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम मुरारी निवासी अनसिंह नरगावे (25) के रूप में हुई थी।

प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने पर जोर

ट्रांजेक्शन फेल होने पर नहीं होगा एडमिशन, फीस वापसी ऑनलाइन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय और निजी महाविद्यालयों में सत्र 2026-27 के लिए यूजी, पीजी और एनसीटीई पाठ्यक्रमों में एडमिशन की प्रक्रिया शुरु हो गई हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने पर जोर देते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। खासतौर पर प्रवेश शुल्क भुगतान, ट्रांजेक्शन फेल होने, प्रवेश निरस्तीकरण और शुल्क वापसी को लेकर विद्यार्थियों और महाविद्यालयों दोनों के लिए स्पष्ट नियम तय किए गए हैं। विभाग के अनुसार यदि किसी विद्यार्थी की ओर से पोर्टल के

माध्यम से जमा किया गया पंजीयन या प्रवेश शुल्क का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन फेल हो हो जाता है, तो ऐसी स्थिति में संबंधित राशि स्वत: उसी बैंक खाते में वापस लौटेगी, जिससे भुगतान किया गया था। हालांकि विभाग ने साफ किया है कि ट्रांजेक्शन फेल होने की स्थिति में विद्यार्थी का प्रवेश सुरक्षित नहीं माना जाएगा। ऐसे में विद्यार्थियों को निर्धारित समय सीमा के अंदर दोबारा पोर्टल पर जाकर प्रवेश शुल्क जमा करना अनिवार्य रहेगा। यदि तय समय में शुल्क जमा नहीं किया गया तो संबंधित विद्यार्थी का नाम प्रवेश सूची में शामिल नहीं किया जाएगा।

महाविद्यालय भी रहें सतर्क- विभाग ने महाविद्यालयों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। विद्यार्थियों की ओर से जमा की गई फीस सीधे संबंधित महाविद्यालय की प्रोफाइल में दर्ज बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी। इसके चलते सभी महाविद्यालयों को अपने बैंक खाते की जानकारी सही और अद्यतन रखने के लिए कहा गया है। यदि किसी महाविद्यालय के बैंक खाते में त्रुटि पाई जाती है तो विद्यार्थियों की फीस संबंधित खाते में तब तक जमा नहीं हो सकेगी, जब तक महाविद्यालय प्रशासन बैंक विवरण को सुधारकर अपडेट नहीं करता। इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित महाविद्यालय की रहेगी।

प्रवेश निरस्तीकरण व शुल्क वापसी प्रक्रिया

प्रवेश निरस्तीकरण और शुल्क वापसी की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है। विद्यार्थी पोर्टल पर लॉगिन कर प्रवेश निरस्तीकरण का आवेदन कर सकेंगे। आवेदन सबमिट करने के बाद रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करते ही प्रवेश स्वत: निरस्त हो हो जाएगा और उसकी ऑनलाइन रसीद भी उपलब्ध होगी। शुल्क वापसी के लिए विद्यार्थियों को अपना बैंक खाता क्रमांक और आईएफएससी कोड दर्ज करना रहेगा। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के 60 दिन के अंदर प्रवेश निरस्त करवाने पर विद्यार्थियों को पूरा शुल्क वापस किया जाएगा। निर्धारित अवधि के बाद प्रवेश निरस्त करवाने पर किसी प्रकार की फीस वापस नहीं की जाएगी।

बीबीए, बीसीए में प्रवेश एआईसीटीई के नियमों के तहत

बीबीए और बीसीए पाठ्यक्रमों में प्रवेश अब अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के नियमों के तहत तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से किए जाएंगे। पात्रता को लेकर जारी स्पष्टीकरण में बताया गया है कि मध्यप्रदेश के मूल निवासी विद्यार्थी, जिन्होंने सीबीएसई, आईसीएसई, एमपी बोर्ड या पोर्टल पर सूचीबद्ध मान्य बोर्ड से 12वीं पास की है, उन्हें किसी विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण पत्र लेने की आवश्यकता नहीं रहेगी। वहीं अन्य बोर्ड से 12वीं पास विद्यार्थियों को संबंधित विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण पत्र प्राप्त कर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के समय अपलोड करना अनिवार्य रहेगा। ऐसा नहीं करने पर उनकी प्रवेश प्रक्रिया अधूरी मानी जाएगी।

नगर निगम की कागजी पाबंदियां केवल औपचारिकता बनकर रह गईं, कार्रवाई बेअसर

शहरवासी बोले- जब असर नहीं तो जनता पर क्यों थोपी ? प्रतिबंध के दायरे से करें मुक्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम द्वारा शहर में अलग-अलग कई प्रकार के प्रतिबंध लगाए गए, जो 10 से 15 साल पुराने हैं, जिनका पालन शहर में मात्र औपचारिकता रह गई है, क्योंकि सालों से ऐसे प्रतिबंधों का पालन नहीं करने वालों पर दिखावे की कार्रवाई की जा रही है या फिर जहां से वे निर्मित हो रही हैं, उसकी जड़ को खत्म नहीं किया जा रहा है, जिसके चलते इन प्रतिबंधों को लगाना बेकार साबित हो रहा है।

प्रतिबंधित डिस्पोजल का बाजार गर्म-उदाहरण के तौर पर बात की जाए तो इंदौर नगर निगम द्वारा कचरा जलाने पर प्रतिबंध है, लेकिन निगम के कर्मचारी और आम नागरिक खुलेआम कचरा जला रहे हैं, वहीं जिला प्रशासन द्वारा खेतों में पराली जलाने पर प्रतिबंध लगाया है, लेकिन इंदौर के आसपास और शहर के मध्य कृषि कॉलेज में पराली जलाई गई। इसी प्रकार इंदौर में डिस्पोज का उपयोग प्रतिबंधित है, लेकिन शादी समारोह से लेकर बाजारों तक में डिस्पोज का उपयोग किया जा रहा है। दुकानदार भी खुलेआम इसको बेच रहे हैं। लोगों का कहना है जब प्रतिबंध का कोई असर नहीं हो रहा है, तो इन्हें प्रतिबंध के दायरे से मुक्त कर देना चाहिए।

● **प्लास्टिक पॉलिथीन प्रतिबंध**-महापौर परिषदद्वारा 2017 में प्लास्टिक कैरी बैग के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया था, लेकिन असर आज प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल आज भी जारी है, कपड़े के थैले का उपयोग नहीं हो रहा है। लाखोंटन प्लास्टिक बैग का उपयोग प्रतिमाह हो रहा है।

● **ध्वनि विस्तारक यंत्र**- नियमों के विरुद्ध और अनियंत्रित तरीके से ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर) के इस्तेमाल पर केस 4 प्रतिबंध है, लेकिन होटल, मैरिज गार्डन और डीजे पर कानफोड़ू आवाज में संगीत चलाया जाता है।

● **लकड़ी जलाने पर प्रतिबंध**- साल 2023 से होटलों में तंदूर का उपयोग प्रतिबंधित है। पूर्व निगमायुक्त प्रतिभा केस 2 पालने वायु प्रदूषण नहीं हो और क्लीन एयर कार्यक्रम के तहत तंदूर और लकड़ी जलाने को प्रतिबंधित किया गया था। वर्तमान समय में होटल संचालक बेखौफ तंदूर का उपयोग कर रहे हैं।

● **जल उपयोग प्रतिबंध** - जलसंकट के कारण जिला प्रशासन ने 30 जून 2026 तक शहर में नए बोरिग (नवीन बोरिग) पर पूर्ण किस प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन अब तक कोई भी बोरिंग मशीन जब्त नहीं की गई। रात में बोरिंग किए जा रहे हैं।

● **कचरा जलाने पर प्रतिबंध** - साल 2018 में पूर्व निगमायुक्त आशीष सिह ने खुले में कचरा जलाने पर प्रतिबंध केस 3 लगाया था। वर्तमान में निगम के कर्मचारी ग्रीन वेस्ट जला रहे हैं, जबकि सफाई कर्मचारियों को सूखा कचरा और ग्रीन वेस्ट उद्यान में बने पीट में खाद बनाने एकत्र करना है।

● **बोरिंग और नर्मदा का पानी कारधोने और निर्माण में उपयोग पर प्रतिबंध**-भूजल स्तर बढ़ाने के उद्देश्य से बोरिंग और नर्मदा केपानी निर्माण में उपयोग पर प्रतिबंध लगा है, लेकिन वॉशिग सेंटर में बोरिंग का पानी इस्तेमाल हो रहा है।

एमवाय में सफाई व्यवस्था संभाल रही कंपनी पर चौथी बार लगा जुर्माना

एमजीएम मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने एचएलएल पर लगाया 50 हजार रुपए का जुर्माना

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एमवाय अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था में लापरवाही सामने आने पर एमजीएम मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने कड़ा रुख अपनाया। अस्पताल परिसर में फैली गंदगी और कचरा समय पर नहीं हटाने पर डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने एमवायएच में सफाई व्यवस्था संभाल रही बीवीजी कंपनी की लापरवाही पर सख्त रुख अपनाया। मुख्य कंपनी एचएलएल पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। जानकारी के अनुसार बीवीजी कंपनी के एमजीएम मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में काम संभालने के बाद से ही अनियमितता लगातार सामने आ रही है। पहले ऐसी ही लापरवाही पर एक लाख रुपए जुर्माना लगाया गया था। इसके बाद भी इसी कारण पर 20-20 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया। अब यह चौथी बार है जब 50 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया है।

दरअसल डीन डॉ. घनघोरिया ने कुछ दिन पहले एमवायएच का निरीक्षण किया था। इस दौरान अस्पताल परिसर के पीछे न्यूरोसर्जरी ओटी व आक्सीजन प्लांट के समीप व अस्पताल के पीछे न्यू चेस्ट वार्ड के सामने की तरफ गंदगी का ढेर पाया गया। इसमें परिजनों की ओर से फेंके गए खाने के पैकेट, प्लास्टिक सहित काफी गंदगी भी नजर आई। घास की कटाई छटाई के बाद कचरे को उठाने के बजाय वहीं डंप करना पाया गया। डीन ने इसे तत्काल वहां से हटाने के निर्देश दिए, लेकिन जब दूसरी बार निरीक्षण किया तो वह कचरा वहां से हटाया नहीं गया। लगातार सूचना के बाद भी अनदेखी पर यह 50 हजार रुपए का जुर्माना मुख्य कंपनी पर लगाया गया है।

कंपनी ने नहीं किया सुधार

इसके पूर्व में भी डीन घंघोरिया ने कंपनी को कई बार मौखिक व लिखित रूप से परिसर की नियमित साफ सफाई कचरा निष्पादन व स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के लिए निर्देशित किया, लेकिन कंपनी ने अपेक्षित सुधार नहीं किया। इस कारण अस्पताल परिसर की स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित होने के साथ साथ संक्रमण फैलने व रोगियों, परिजनों को असुविधा होने की गंभीर संभावना उत्पन्न हो गई।

आदर्श परिसर बनाने की योजना

डीन डॉ. घनघोरिया ने बताया एमजीएम मेडिकल कॉलेज व उससे संबंध अस्पतालों के साथ ही उनके परिसर को भी आदर्श बनाए जाने की योजना है। इसके तहत साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। डीन घंघोरिया ने कहा एम वाय अस्पताल में आने वाले मरीजों को किसी भी परेशानियो का सामना नहीं करना पड़े इसका ध्यान रख रहे हैं। परिसर में गंदगी पर जिरो टॉलरेंस की नीती है, ऐसे में परिसर के आसपास गंदगी या कचरे को तत्काल हटाए जाने के निर्देश हैं।

थोक और खुदरा बाजार में सब्जियों की कीमतों में लगातार गिरावट दर्ज

मौसम में बढ़ती तपन के बीच सब्जी बाजार की रफ्तार पड़ी ठंडी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कमर्शियल गैस सिलेंडर के बढ़ते भाव, एलपीजी गैस को लेकर चली आ रही परेशानी का असर अब रसोई से निकलकर सब्जी बाजार तक साफ दिखाई देने लगा है। थोक और खुदरा बाजार में सब्जियों की कीमतों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। जहां आम उपभोक्ताओं को सस्ती सब्जियों से राहत मिली हैं, वहीं किसानों व सब्जी व्यापारियों की चिंता बढ़ गई हैं।

आवक सामान्य, खरीदारों की संख्या में कमी : जानकारों के मुताबिक मंडियों में इन दिनों सब्जियों की आवक सामान्य बनी हुई है, लेकिन खरीदारों की संख्या में कमी आने से बाजार की रफ्तार धीमी पड़ गई है। व्यापारियों का कहना हैं कि पहले जहां होटल और ढाबों से बड़ी मात्रा में सब्जियों की खरीद होती थी, अब वह काफी घट गई है। कई छोटे प्रतिष्ठान अस्थाई रूप से बंद हो गए हैं, जबकि कई होटल सीमित क्षमता में काम कर रहे हैं। ऐसे में टमाटर, आलू, प्याज, भिंडी, लौकी, बैंगन और हरी सब्जियों की मांग अचानक कम हो गई है।

घरेलू बजट में राहत : पिछले एक सप्ताह में सब्जियों में जो टमाटर पहले 30 से 40 रुपए किलो बिक रहा था, वह अब 10 से 15 रुपए किलो तक पहुंच गया है। आलू 10 रुपए किलो तक बिक रहा है, जबकि अन्य हरी सब्जियों के दाम भी तेजी से नीचे आए हैं। बाजार में आई इस गिरावट से गृहिणियों को घरेलू बजट में राहत महसूस हो रही है। सब्जी विक्रेता रमेश ने बताय मांग कम होने से उन्हें औने-पौने दामों में सब्जियां बेचनी पड़ रही हैं। कई बार तो लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है।

करीब आधा हो गया सब्जी का खर्च

गृहिणी श्रद्धा ने बताया पिछले कुछ महीनों में महंगाई के कारण रसोई का खर्च लगातार बढ़ रहा था, लेकिन अब सब्जियों के दाम कम होने होने से कुछ राहत मिली है। वहीं एक अन्य उपभोक्ता हर्षिता ने बताया कि पहले 500 से 600 रुपए में आने वाली सब्जियां अब 300 से 400 रुपए में आ रही हैं, जिससे मध्यम वर्गीय परिवारों को फायदा हो रहा है। हालांकि, किसानों और व्यापारियों के लिए यह स्थिति चिंता का विषय बनती जा रही है।

ई-रिक्शा को मंडी में प्रवेश नहीं

इधर दूसरी ओर देवी अहिल्याबाई होलकर फल एवं सब्जी मंडी में प्रशासन की ओर से ई-रिक्शा पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद सब्जियों में रिटले खरीदी भी कहीं न कहीं कम हुई है। दरअसल यातायात सुधार के लिए प्रशासन ने ई-रिक्शा को मंडी में प्रवेश पर रोक लगाई है।

इंदौर से मुंबई का सफर होगा आसान

6 लेन होगा हाईवे, जल्द शुरू होगा निर्माण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर से मुंबई जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। इंदौर-मुंबई राजमार्ग यानी एनएच-52 को अब फोर लेन से बढ़ाकर सिक्स लेन बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) इंदौर-खलघाट-सेंधवा से महाराष्ट्र सीमा तक करीब 160 किलोमीटर लंबे हाईवे के विस्तार की योजना पर काम कर रहा है। बताया जा रहा है कि जल्द ही इस प्रोजेक्ट का प्रस्ताव केंद्र सरकार को मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक परियोजना को तेजी से आगे बढ़ाने की तैयारी चल रही है और फिलहाल इसकी डीपीआर तैयार की जा रही है।

रोज गुजरते हैं 40 हजार वाहन- इंदौर-मुंबई हाईवे देश के सबसे व्यस्त कॉरिडोर में शामिल है। यह आगरा-मुंबई मार्ग का अहम हिस्सा माना जाता है, जहां हर दिन करीब 40 हजार वाहन गुजरते हैं। लगातार बढ़ते ट्रैफिक दबाव और बढ़ती औद्योगिक गतिविधियों को देखते हुए सड़क को सिक्स लेन में बदलने का निर्णय लिया गया है। प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद इंदौर से मुंबई के बीच यात्रा और ज्यादा तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक हो जाएगी।

हाईटेक सुविधाओं से लैस होगा हाईवे-नई सिक्स लेन सड़क पर कई आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसमें नए क्रैश बैरियर, हाईटेक साइन बोर्ड, बेहतर रोड मार्किंग, इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, ढलानों को मजबूत करने की तकनीक शामिल रहेंगी। इससे दुर्घटनाओं में कमी आने और ट्रैफिक संचालन बेहतर होने की उम्मीद है।

खत्म किए जाएंगे खतरनाक घाट

इस परियोजना का सबसे अहम हिस्सा भेरू घाट, बाकानेर घाट और बिजासन घाट माने जा रहे हैं। इन घाट क्षेत्रों में पहले फोर लेन सड़क बनाई गई थी, लेकिन अब सिक्स लेन विस्तार के दौरान आधुनिक तकनीक के जरिए घाटों को काटकर सड़क को ज्यादा सीधा और सुरक्षित बनाने की योजना है। अधिकारियों का कहना है कि घाट सेक्शन में दुर्घटनाओं को कम करने के लिए विशेष इंजीनियरिंग तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

खलघाट क्षेत्र में नर्मदा नदी पर एक नया समानांतर पुल भी बनाया जाएगा। इससे मौजूदा पुल पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और सिक्स लेन यातायात लगातार सुचारू रूप से चलता रहेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।